RAJHIN/2014/55262

sancharjagat.com



संचार जगत

दैनिक समाचार पत्र

sancharjagat.com

editorial@sancharjagat.com

'सोच को इतना बड़ा रखो कि असफलता भी एक छोटा कदम लगे। सफलता कोई मंजिल नहीं, यह एक दिशा है। बड़ा सोचो, बड़ा करो। '

वर्षः 13 | अंकः 250 जयपुर, शुक्रवार, 09 अक्टूबर , 2026 मूल्यः 2.00 रूपए पृष्ठ : 4

सीजेपी प्रदर्शन के दौरान हुई हिंसा की जांच शुरू



संचार जगत

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने जुलाई में राजधानी में कॉकरेच जनता पार्टी (सीजेपी) के प्रदर्शन के दौरान हुई हिंसा की जांच शुरू कर दी है। सूत्रों के मुताबिक, इस संबंध में कानून की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। क्राइम ब्रांच के सूत्रों ने बताया कि जांच का मुख्य फोकस 20 जुलाई को नई दिल्ली में हुई हिंसा के लिए जिम्मेदार लोगों की भूमिका पर रहेगा। जांच में विशेष रूप से यह पता लगाया जाएगा कि हिंसा 'पूर्व नियोजित' थी या सीजेपी द्वारा संसद की ओर मार्च का आह्वान किए जाने के दौरान 'आपराधिक तत्व' प्रदर्शन स्थल पर दाखिल हुए थे। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बाद दिल्ली पुलिस हिंसा से संबंधित 17 एफआईआर पहले ही रद्द कर चुकी है। अब क्राइम ब्रांच पुलिसकर्मियों पर हमले, तोड़फोड़ और पुलिस वाहनों समेत सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने से जुड़ी हिंसा की विशेष रूप से जांच करेगी।

बिहार में महागठबंधन ने निकाला विरोध मार्च



संचार जगत

पटना। बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर महागठबंधन ने पटना में विरोध मार्च किया। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव के नेतृत्व में महागठबंधन के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने पटना में राजभवन की ओर मार्च किया। महागठबंधन ने एसआईआर प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग की। मार्च के दौरान पुलिस ने सुरक्षा के मद्देनजर कई स्थानों पर बैरिकेडिंग कर रखी थी। प्रदर्शनकारियों को आगे बढ़ने से रोकने के लिए बड़ी संख्या में पुलिस बल की तैनाती की गई थी। महागठबंधन के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने एसआईआर तथा चुनाव आयोग के खिलाफ नारेबाजी की। कुछ स्थानों पर प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच तनातनी की स्थिति भी बनी। राजभवन पहुंचने के बाद महागठबंधन के प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से नेताओं ने एसआईआर प्रक्रिया को लेकर अपनी आपत्तियां दर्ज कराई और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग रखी। उन्होंने आरोप लगाया कि लोकतंत्र के साथ खिलवाड़ किया गया और 'वोट चोरी' के जरिए चुनाव को प्रभावित किया गया। मुकेश सहनी ने कहा कि महागठबंधन की मांग है कि ज्ञानेश कुमार अपने पद से इस्तीफा दें।

संस्थाओं को बदनाम करने का हक नहीं

42 पूर्व जजों का ईसी के समर्थन में पत्र

संचार जगत

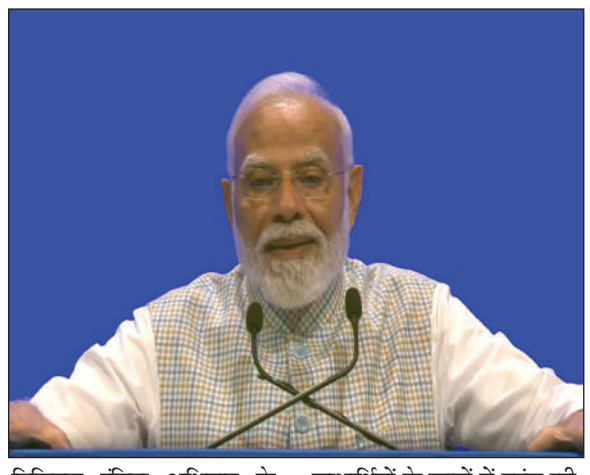


नई दिल्ली। देश के 42 पूर्व जजों ने एक संयुक्त खुला पत्र जारी कर निर्वाचन आयोग, न्यायपालिका और अन्य शीर्ष संवैधानिक संस्थाओं की विश्वसनीयता पर लगातार हो रहे हमलों को लेकर गंभीर चिंता जाहिर की है। पूर्व जजों ने दो-टूक शब्दों में कहा कि बिना किसी ठोस सबूत के वोट चोरी जैसे संगीन आरोप लगाना और संवैधानिक पदों पर बैठे लोगों को चोर या बिकाऊ ठहराना एक सुनियोजित अभियान का हिस्सा लगता है।

उन्होंने आगाह किया कि राजनीतिक लाभ या हताशा में लोकतांत्रिक संस्थाओं की निष्पक्षता पर इस तरह लगातार कीचड़ उछालना बेहद खतरनाक चलन है। इससे जनता का अपनी ही लोकतांत्रिक व्यवस्था और संस्थाओं से भरोसा उठने का गंभीर जोखिम पैदा हो रहा है, जो सीधे तौर पर संविधान की बुनियाद को चोट पहुंचाता है।पत्र में लिखा था कि हम इसलिए लिख रहे हैं क्योंकि ऐसे समय में चुप रहना अब कोई तटस्थ विकल्प नहीं है। हमें गहरी चिंता है। भारत की संवैधानिक संस्थाओं पर लगातार हमले हो रहे हैं। पत्र में चेतावनी दी गई है कि भरोसा ही लोकतंत्र की असली पूंजी है और चुनावों की वैधता पर सवाल उठाने की कोशिशों से अशांति फैल सकती है और अराजक तत्वों को बढ़ावा मिल सकता है।

मोबाइल संवाद का ही नहीं सुशासन का बना आधार : मोदी

संचार जगत



नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यशोभूमि में इंडिया मोबाइल कांग्रेस 2026 के 10वें संस्करण का उद्घाटन करते हुए कहा कि पिछले 10-12 वर्षों में मोबाइल फोन केवल आधुनिक संचार का माध्यम नहीं रहा, बल्कि सुशासन का अहम टूल बन गया है। उन्होंने कहा कि डिजिटल इंडिया के केंद्र में मोबाइल फोन को रखकर सरकार ने तकनीक का लोकतांत्रीकरण किया और आम नागरिकों तक सरकारी सेवाओं की पहुंच आसान बनाई। प्रधानमंत्री ने कहा कि डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर के जरिए करीब 50 लाख करोड़ रुपए लाभार्थियों के बैंक खातों में पहुंचाए गए हैं और इससे करीब 5 लाख करोड़ रुपए गलत हाथों में जाने से बचे हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि एक दशक पहले तक भारत में डिजिटल डिवाइड बड़ी चुनौती थी और आधुनिक तकनीक एक विशेषाधिकार बनती जा रही थी। डिजिटल इंडिया अभियान के जरिए सरकार ने इस स्थिति को बदलने का प्रयास किया और मोबाइल फोन को इसके केंद्र में रखा। पीएम मोदी ने कहा कि इन प्रयासों से मोबाइल फोन और डेटा तक आम नागरिक की पहुंच आसान हुई है। मोबाइल और इंटरनेट कनेक्टिविटी ने शिक्षा, स्वास्थ्य, भुगतान और सरकारी सेवाओं को लगातार चालू रखने में मदद की। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज सरकार की सैकड़ों सेवाएं मोबाइल फोन पर उपलब्ध हैं और सरकारी मदद सीधे लाभार्थियों के खातों में पहुंच रही है। पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि मोबाइल फोन अब सिर्फ चैट या बातचीत का माध्यम नहीं रहा। इससे लोगों की यात्रा कम हुई है, इंतजार घटा है, खर्च कम हुआ है और सुविधाओं तक पहुंच बढ़ी है। उन्होंने इसे तकनीक से मिलने वाला सबसे बड़ा नागरिक लाभ बताया। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत में अब साढ़े पांच लाख से अधिक बेस स्टेशन 5जी नेटवर्क का संचालन कर रहे हैं और देश के हर जिले तक 5जी कनेक्टिविटी पहुंच चुकी है। उन्होंने बताया कि मोबाइल इंटरनेट की स्पीड वर्ष 2022 की तुलना में 10 गुना बढ़ी है। पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि सस्ती डेटा सेवाओं और बेहतर कनेक्टिविटी से अर्थव्यवस्था के नए क्षेत्रों का विकास हुआ है। गेमिंग सेक्टर का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि भारत में 50 करोड़ से अधिक लोग किसी न किसी रूप में गेमिंग इकोसिस्टम से जुड़े हैं। पीएम मोदी ने कहा कि बेहतर और तेज कनेक्टिविटी तथा सस्ते डेटा ने वीडियो शेयरिंग प्लेटफॉर्म, सोशल मीडिया और क्षेत्रीय ओटीटी प्लेटफॉर्म को गांवों और कस्बों तक पहुंचाया है। मोदी ने कहा कि तकनीक तभी बड़े पैमाने पर स्वीकार्य होती है, जब वह भरोसा हासिल करती है। साइबर फ्रॉड और साइबर अपराध सीमाओं को नहीं मानते और डीपफेक भी बड़ी चुनौती बन चुके हैं। उन्होंने सरकारों, टेक्नोलॉजी कंपनियों, टेलीकॉम ऑपरेटरों और वित्तीय संस्थानों से मिलकर एक वैश्विक फ्रेमवर्क तैयार करने का आग्रह किया।

व्हाइट हाउस ने भारत को बताया मजबूत सहयोगी

मोदी और ट्रंप के रिश्तों के पढ़े कसीदे



संचार जगत

वाशिंगटन। व्हाइट हाउस ने भारत को अमेरिका के सबसे मजबूत सहयोगियों में से एक बताया है और द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने का श्रेय अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के व्यक्तिगत संबंधों को दिया है। यह बयान ऐसे समय आया, जब पीएम मोदी ने सार्वजनिक जनसेवा के 25 साल पूरे किए हैं। व्हाइट हाउस की प्रवक्ता एना केली ने कहा कि भारत, संयुक्त राज्य अमेरिका के सबसे मजबूत सहयोगियों में से एक है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दोनों देशों के संबंधों को ज्यादा मजबूत किया है। व्हाइट हाउस ने दोनों नेताओं के बीच व्यक्तिगत संबंधों का विशेष जिक्र किया , जबकि भारत और अमेरिका व्यापार और अन्य नीतिगत मुद्दों पर मतभेदों के बीच रास्ता तलाश रहे हैं। नरेन्द्र मोदी ने 7 अक्टूबर 2001 से मई 2014 तक गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में कार्य किया, जब वे आम चुनाव में भारतीय जनता पार्टी की जीत के बाद भारत के प्रधानमंत्री बने। इस दौरान दोनों देशों की सरकारों ने रक्षा, प्रौद्योगिकी, व्यापार और रणनीतिक मामलों में व्यापक सहयोग विकसित किया है, हालांकि दोनों देशों के बीच कोई औपचारिक पारस्परिक रक्षा संधि नहीं है।

विपक्ष ने लंच के बाद गांधी जी के सामने की प्रार्थना

संचार जगत



नई दिल्ली। चुनाव आयोग और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ विपक्ष का विरोध प्रदर्शन गुरुवार को भी जारी रहा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की ओर से आयोजित लंच मीटिंग के बाद इंडिया ब्लॉक के सांसद बसों में सवार होकर राजघाट गए और वहां अपना आंदोलन जारी रखा। राहुल गांधी भी सांसदों के साथ बस में बैठे थे। इससे पहले मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि विपक्षी सांसद महात्मा गांधी के स्मारक पर जाकर प्रार्थना करेंगे और सरकार को सद्बुद्धि मिलने की कामना करेंगे। खरगे ने कहा, 'हम यही प्रार्थना करते हैं कि बीजेपी सरकार, मोदी और शाह को सद्बुद्धि दे. बढ़ती महंगाई और यूथ के विरोध में जो भी समस्या है वो खत्म हो.' उन्होंने कहा कि विपक्ष महात्मा गांधी के स्मारक पर जाकर सरकार को सद्बुद्धि मिलने की प्रार्थना करेगा। उनके मुताबिक विपक्ष का मुद्दा सिर्फ एक राजनीतिक दल तक सीमित नहीं है. वह इसे लोकतांत्रिक अधिकारों और वोट के अधिकार से जोड़ रहे हैं। इसके बाद विपक्ष के सांसद राजघाट की ओर रवाना हुए। खरगे ने आरोप लगाया कि सरकार उन अधिकारों को कमजोर कर रही है जिन्हें महात्मा गांधी, जवाहरलाल नेहरू और सरदार वल्लभभाई पटेल जैसे नेताओं के संघर्ष से हासिल किया गया था। उन्होंने वोट के अधिकार और लोकतांत्रिक स्वतंत्रता को लेकर भी चिंता जताई। राजघाट पहुंचने का फैसला ऐसे समय में हुआ है जब दिल्ली पुलिस ने पहले ही इलाके में किसी तरह की भीड़ और प्रदर्शन को लेकर प्रतिबंध लागू कर दिए हैं।राहुल गांधी ने कहा कि करीब 300 सांसद शांतिपूर्ण तरीके से प्रदर्शन करना चाहते हैं लेकिन उन्हें प्रदर्शन की अनुमति नहीं दी जा रही है। उन्होंने कहा कि विपक्ष ने जंतर-मंतर पर प्रदर्शन करने की कोशिश की थी लेकिन पुलिस ने उन्हें वहां जाने से रोक दिया। उन्होंने कहा कि विपक्ष का आंदोलन शांतिपूर्ण है और उसका उद्देश्य चुनाव प्रक्रिया से जुड़े सवालों को सामने रखना है। राहुल गांधी ने यह भी कहा कि जिन लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है उनके खिलाफ आगे भी कानूनी कार्रवाई हो सकती है। उन्होंने भरोसा जताया कि समय लग सकता है लेकिन कार्रवाई जरूर होगी।कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने कहा है कि इंडिया गठबंधन के नेताओं ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात का समय मांगा है। पहला अनुरोध 2 अक्टूबर को भेजा गया था। कांग्रेस ने 5 अक्टूबर को नेताओं के नाम के साथ दोबारा अनुरोध भेजा और 7, 8 या 9 अक्टूबर को मुलाकात का समय देने का आग्रह किया। कांग्रेस नेता ने कहा कि विपक्ष राष्ट्रपति के सामने चुनावी प्रक्रिया और मतदाता अधिकारों से जुड़े अपने सवाल रखना चाहता है।

...बशर्ते निष्पक्ष चुनाव और ब्यूरोक्रेसी ट्रांसपेरेंट हों : जोशी

संचार जगत



नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता मुरली मनोहर जोशी ने कहा है कि लोगों की बनाई गई सरकारें खत्म नहीं होंगी, बशर्ते निष्पक्ष चुनाव हों और ब्यूरोक्रेसी ट्रांसपेरेंट हो। फिक्की के हायर एजुकेशन समिट के मौके पर मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा कि अगर संविधान का उल्लंघन होता है तो सुप्रीम कोर्ट को इसकी जांच करनी चाहिए। जोशी ने कहा कि लोगों की, लोगों के लिए और लोगों द्वारा बनाई गई सरकारें धरती से खत्म नहीं होंगी, बशर्ते चुनाव निष्पक्ष हों, सरकारें अकाउंटेबल हों और ब्यूरोक्रेसी ट्रांसपेरेंट हो। मुरली मनोहर जोशी ने कहा कि विपक्ष जवाबदेह और जिम्मेदार है और उसके पास एक साफ दूसरा प्रोग्राम है। पूरी बात संविधान के दायरे में होनी चाहिए और अगर संविधान का उल्लंघन होता है तो सुप्रीम कोर्ट को इसकी जांच करनी चाहिए।

डॉक्टरों को महंगे तोहफे देने पर लगेगी रोक



संचार जगत

नई दिल्ली। दवाओं की बिक्री को बढ़ावा देने के लिए फार्मा कंपनियों द्वारा डॉक्टरों को महंगे तोहफे और सुविधाएं देने की प्रथा पर रोक लगाने के लिए सुप्रीम कोर्ट ने बड़ा कदम उठाया है। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को एक विशेष कमेटी का गठन करने और उसकी रिपोर्ट कोर्ट में पेश करने का आदेश दिया है। यह मामला फेडरेशन ऑफ मेडिकल एंड सेल्स रिप्रेजेंटेटिव एसोसिएशन ऑफ इंडिया की ओर से दायर की गई याचिका से जुड़ा है। यह याचिका साल 2021 में दायर की गई थी। याचिका में मांग की गई थी कि दवाओं की बिक्री बढ़ाने के लिए डॉक्टरों को उपहार देने वाली दवा कंपनियों की जवाबदेही तय की जानी चाहिए।

राजस्थान पंचायत चुनाव की नामांकन प्रक्रिया शुरू

संचार जगत



जयपुर। राजस्थान में पंचायती राज संस्थाओं के आम चुनावों के तहत प्रथम चरण के लिए नामांकन दाखिल करने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। इस प्रथम चरण में राज्य के 16 जिलों में जिला परिषद सदस्यों और 104 पंचायत समितियों के सदस्यों के निर्वाचन के लिए प्रत्याशी अपने पर्चे दाखिल करेंगे। जिला परिषद सदस्यों के नामांकन जिला स्तर पर और पंचायत समिति सदस्यों के नामांकन उपखंड स्तर पर स्वीकार किए जा रहे हैं। प्रथम चरण के तहत नामांकन दाखिल करने की अंतिम तारीख 13 अक्टूबर निर्धारित की गई है। इसके अलावा, पंच और सरपंच पदों के लिए प्रथम चरण के नामांकन आगामी 23 अक्टूबर से शुरू होंगे, हालांकि जिला निर्वाचन अधिकारियों द्वारा पंच-सरपंच चुनाव की अधिसूचना बुधवार को ही जारी कर दी गई थी। सभी चरणों के चुनाव परिणाम 20 नवंबर को घोषित किए जाएंगे। इस बार के पंचायतीराज चुनावों में प्रशासनिक और भौगोलिक बदलाव भी देखने को मिल रहे हैं। पिछले चुनावों तक प्रदेश में कुल 33 जिला परिषदें थीं, जिनकी संख्या बढ़कर अब 41 हो गई है। इसी प्रकार, पहले जहां 352 पंचायत समितियां थीं, वे बढ़कर अब 457 हो गई हैं। इन संपूर्ण चुनावों के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में कुल 1.69 लाख नए पंचायतीराज प्रतिनिधि चुने जाएंगे। चुनाव कार्यक्रमों की घोषणा के साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में आदर्श आचार संहिता प्रभावी हो चुकी है, जिसके चलते सरकारी तबादलों पर पूरी तरह पाबंदी लगा दी गई है। मंत्रियों के अपने दौरों के दौरान सरकारी गाड़ियों के उपयोग और सरकारी गेस्ट हाउस और डाक बंगलों में ठहरने पर रोक रहेगी।

अमेरिका पर लगा नुकसान के आंकड़ों को छुपाने का आरोप

संचार जगत



तेहरान । ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने अमेरिका पर युद्ध में हुए नुकसान के आंकड़ों को छुपाने का आरोप लगाया है। गुरुवार को उन्होंने दावा किया कि जो दिखाया और बताया जा रहा है उससे असली संख्या कहीं ज्यादा है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर सेंटकॉम की पोस्ट शेयर करते हुए दावा किया कि अमेरिकी सैनिकों की मौत और अमेरिकी सैन्य संपत्तियों के नुकसान का असल आंकड़ा सार्वजनिक रूप से बताए गए आंकड़ों से 'कहीं ज्यादा' है। उन्होंने अमेरिकी संसद की अनुसंधान समिति 'कांग्रेसनल रिसर्च सर्विस' की ओर से जारी किए गए बयान को शेयर करते हुए अपनी बात कही।

पेजेश्कियन और पुतिन के बीच हुई वार्ता



संचार जगत

तेहरान। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने दोनों देशों के बीच रणनीतिक सहयोग को जारी रखने और इसे और मजबूत करने पर जोर दिया है। ईरानी राष्ट्रपति कार्यालय के एक बयान के अनुसार बुधवार को फोन पर हुई बातचीत में पेजेश्कयिन ने कहा कि ईरान और रूस को अलग-अलग क्षेत्रों में आपसी सहयोग को जारी रखने के साथ इसे और बढ़ाना चाहिए। इस दिशा में आगे बढ़ना दोनों देशों के साझा हितों में है। इस दौरान पुतिन ने कहा कि क्षेत्र में चल रहे घटनाक्रम के बावजूद रूस और ईरान के बीच व्यापक रणनीतिक सहयोग समझौते के तहत साझेदारी जारी है।

सम्पादकीय

'आकाशवाणी' बना जंतर-मंतर

विपक्ष के 'इंडी' गठबंधन ने 'सेव डेमोक्रेसी मार्च' निकाला, लेकिन वह हुजूम के अलावा कुछ भी साबित नहीं हुआ। अंतत: विरोध-प्रदर्शन 'बंजर' ही रहा। यदि विपक्ष को मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) और दो चुनाव आयुक्तों से मिल कर अपना ज्ञापन सौंपना था, तो संवैधानिक संस्था के प्रोटोकॉल के मुताबिक, समय मांगना चाहिए था। करीब 200 या 300 सांसद एकसाथ चुनाव आयोग में न तो जा सकते हैं और न ही कोई सार्थक संवाद संभव है, लिहाजा विपक्ष के 5-7 नेताओं का एक प्रतिनिधिमंडल तय किया जाना चाहिए था, जो चुनाव आयोग में संवाद कर सकता था। बैरिकेड्स पर चढऩा, अपनी पहलवानी मुद्राएं दिखाना और अनाप-शनाप नारेबाजी करने से न तो सत्ताएं घबराती हैं और न ही सीईसी ज्ञानेश कुमार गुप्ता डर कर इस्तीफा दे सकते हैं। उन्हें भी संविधान का संरक्षण हासिल है। सवाल आंदोलन की नीयत और हुजूम की अराजकता का भी है। जब विपक्ष को चुनाव आयोग के मुख्यालय तक मार्च करना था, तो लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, उनकी सांसद बहन प्रियंका गांधी और कुछ पिछलग्गू कांग्रेसी सांसद अचानक 'आकाशवाणी भवन' में क्यों घुस गए? वहां सरकारी दफ्तर हैं, जो कामकाज करते रहते हैं। उन्हें बाधा पहुंचाना भी दंडनीय अपराध है। कांग्रेस गच्चा देकर चुनाव आयोग तक पहुंचने की 'पहलवानी' की रणनीति खेल रही होगी, क्योंकि 'आकाशवाणी' के पिछले दरवाजे से आयोग का मुख्य दरवाजा कुछ मीटर के फासले पर ही था, लेकिन सुरक्षा-व्यवस्था अपेक्षाकृत ज्यादा चौकन्नी होती है। वह दरवाजा स्थायी रूप से बंद कर दिया गया था। अंतत: राहुल गांधी और सहयोगी प्रदर्शनकारियों को हार कर, 'आकाशवाणी भवन' के भीतर ही, बरगद के पुराने पेड़ की छाया में, कथित धरना देना पड़ा। यह नेता प्रतिपक्ष के संवैधानिक पद के प्रति सम्मान का भाव ही था कि पुलिस अधिकारी और बाद में गृह मंत्रालय के आला अफसरों ने राहुल गांधी को समझाया कि 'आकाशवाणी भवन' जंतर-मंतर नहीं है। धरने-प्रदर्शन का अधिकृत स्थान नहीं है, लिहाजा उन्हें धरना समाप्त कर देना चाहिए। लेकिन राहुल, प्रियंका, वेणुगोपाल, दीपेन्द्र हुड्डा, पवन खेड़ा आदि कांग्रेसी सांसद करीब 9 घंटे तक पेड़ के नीचे बैठे रहे। वहीं खाना-पीना जारी रहा। यह कैसा विरोध-प्रदर्शन था! नारेबाजी भी थक कर खामोश हो चुकी थी। सांसद अलसा रहे थे। अंतत: गृह मंत्रालय के शीर्ष आदेशों के बाद दिल्ली पुलिस ने उन्हें जबरन उठाया और हिरासत में लेकर किंग्सवे कैंप पुलिस लाइन भेज दिया।

विश्व में भारत की आवाज के संवाहक ' राजदूत '



हर वर्ष 9 अक्टूबर को भारतीय विदेश सेवा दिवस मनाया जाता है। 1946 में इसी दिन विदेश सेवा की औपचारिक स्थापना हुई थी। स्वतंत्रता से कुछ माह पूर्व पंडित जवाहरलाल नेहरू की सोच थी कि स्वतंत्र भारत को विश्व में अपनी बात कहने के लिए ऐसे युवाओं की आवश्यकता होगी जो भारत की सभ्यता को जानते हों, संविधान को समझते हों और विश्व मंच पर भारत का पक्ष तर्क और गरिमा के साथ रख सकें। उसी सोच से भारतीय विदेश सेवा का जन्म हुआ।आज 78 वर्षों बाद भारतीय विदेश सेवा केवल एक नौकरी नहीं, भारत की वैश्विक पहचान बन चुकी है। अंग्रेजों के समय में भी विदेश विभाग था, पर वह ब्रिटिश हितों के लिए कार्य करता था। 1946 में पहली बार भारतीय विदेश सेवा के अधिकारियों का चयन हुआ। पहले बैच में 8 अधिकारी थे। उनमें के.पी.एस. मेनन प्रथम विदेश सचिव बने। 1947 में जब भारत स्वतंत्र हुआ तो हमारे सामने सबसे बड़ी चुनौती थी कि विश्व में स्वयं को नए राष्ट्र के रूप में स्थापित करना। संयुक्त राष्ट्र में कश्मीर का प्रश्न, गुटनिरपेक्ष आंदोलन की नींव, राष्ट्रमंडल में भारत की भूमिका आदि। इन सभी में प्रारंभिक विदेश सेवा अधिकारियों ने अपनी योग्यता सिद्ध की। विजयलक्ष्मी पंडित जब संयुक्त राष्ट्र महासभा की प्रथम महिला अध्यक्ष बनीं तो वह भारतीय विदेश नीति की ही विजय थी। सामान्य धारणा है कि विदेश सेवा अधिकारी केवल विदेश में रह कर दावतों में जाते हैं। यह सबसे बड़ी भ्रांति है। विदेश सेवा के कार्यों को चार भागों में समझा जा सकता है। पहला राजनीतिक कार्य ; विदेश में भारत के हितों की रक्षा करना, द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करना, वार्ता करना, समझौते करवाना। जब भारत और अमेरिका के बीच परमाणु समझौता हुआ, जब भारत को जी-20 की अध्यक्षता मिली, तब पर्दे के पीछे महीनों तक विदेश सेवा के अधिकारियों ने ही कार्य किया था। दूसरा आर्थिक और वाणिज्यिक कार्य ; भारतीय कंपनियों को विदेश में निवेश दिलाना, विदेशी निवेश को भारत लाना, व्यापारिक विवादों को सुलझाना। खाड़ी देशों में लाखों भारतीय श्रमिक कार्य करते हैं, उनकी नौकरियों की सुरक्षा विदेश सेवा ही करती है। तीसरे सांस्कृतिक और जनसंपर्क ; योग, आयुर्वेद, हिन्दी, बॉलीवुड, बौद्ध परंपरा इन सब को विश्व में ले जाना। भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद के माध्यम से विदेशों में भारतीय महोत्सव आयोजित करना, प्रवासी भारतीयों को भारत से जोड़ना। चौथा संकट में सहायता , जब भी विश्व में कोई संकट आता है, तब भारतीय विदेश सेवा सबसे पहले सक्रिय होती है। ऑपरेशन गंगा, यूक्रेन से 22 हजार भारतीयों की वापसी, ऑपरेशन कावेरी, सूडान से वापसी, ऑपरेशन देवी शक्ति, अफगानिस्तान से वापसी, वंदे भारत अभियान, कोरोना काल में 60 लाख भारतीयों की वापसी, इन सभी के पीछे विदेश सेवा के अधिकारियों की निर्बाध योजना थी। लखनऊ के कई छात्र जो यूक्रेन में फँसे थे, वे आज अपने परिवार में हैं तो उसके पीछे किसी दूतावास के अधिकारी की रात भर की जाग रही आँखें हैं। संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षा में सर्वोच्च स्थान प्राप्त करने वाले युवाओं में से कुछ ही विदेश सेवा में आते हैं। उसके बाद मसूरी के लाल बहादुर शास्त्री अकादमी में बुनियादी प्रशिक्षण, फिर दिल्ली के सुषमा स्वराज विदेश सेवा संस्थान में डेढ़ वर्ष का गहन प्रशिक्षण। यहाँ उन्हें अंतरराष्ट्रीय कानून, राजनय, अंतरराष्ट्रीय अर्थशास्त्र, विदेशी भाषा, सैन्य इतिहास पढ़ाया जाता है। हर अधिकारी को एक अनिवार्य विदेशी भाषा सीखनी होती है , अरबी, चीनी, फ्रांसीसी, रूसी, जापानी आदि। फिर वह उस देश में भेजा जाता है जहाँ उस भाषा का प्रयोग होता है। एक अधिकारी को अपने 30-35 वर्ष के कार्यकाल में 10 से 12 देशों में कार्य करना होता है, हर तीन वर्ष में देश बदलता है, हर बार नई भाषा, नई संस्कृति, नया समाज। इतने परिवर्तन में भी स्वयं को भारतीय बनाए रखना, यही सबसे बड़ी साधना है।

भारतीय विदेश सेवा ने भारत को कई प्रेरणादायक रत्न दिए हैं। जैसे, के.आर. नारायणन , विदेश सेवा से निकल कर भारत के राष्ट्रपति बने। हरिवंश राय बच्चन के पुत्र नहीं, परन्तु विदेश सेवा में रहे कई लेखक, जैसे लेखक-समीक्षक अभय कुमार जिन्होंने पृथ्वी को कविता में पिरोया। निरुपमा राव , भारत की द्वितीय महिला विदेश सचिव, जिन्होंने अमेरिका में भारत की छवि को नई ऊँचाई दी। एस. जयशंकर , आज के विदेश मंत्री, जो स्वयं विदेश सेवा के अधिकारी रहे हैं और जिन्होंने विदेश नीति को जन-जन की नीति बना दिया है। पहले विदेश नीति को दिल्ली के साउथ ब्लॉक तक सीमित माना जाता था। आज वह किसान तक पहुँच गई है। जब खाड़ी देशों में अनाज निर्यात होता है, जब ऑस्ट्रेलिया में भारतीय छात्रों पर हमला होता है, जब अमेरिका में एच-1बी वीज़ा की नीति बदलती है , तब विदेश सेवा सीधे सामान्य नागरिक के जीवन को प्रभावित करती है। पिछले दस वर्षों में विदेश सेवा ने तीन बड़े परिवर्तन किए हैं । पहला, प्रवासी भारतीयों को केंद्र में लाना। आज पासपोर्ट सेवा सहज हो गई है, दूतावास 24 घंटे सहायता के लिए उपलब्ध हैं। ट्विटर पर एक संदेश पर दूतावास सहायता करता है। दूसरा, आर्थिक कूटनीति। अब राजदूत केवल राजनीतिक संदेश नहीं देते, वे भारत में निवेश भी लाते हैं। तीसरा, सांस्कृतिक कूटनीति। योग दिवस को संयुक्त राष्ट्र में 177 देशों का समर्थन दिलाना, यह केवल सरकार की जीत नहीं, हमारे राजदूतों की महीनों की मेहनत थी। विदेश सेवा की राह फूलों की नहीं है बल्कि इसमें चुनौतियां भी महत्वपूर्ण हैं। एक छोटा संवर्ग है ,लगभग 900 अधिकारी ही हैं, जबकि चीन में 6000 और अमेरिका में 15000 से अधिक। संसाधन कम हैं, चुनौती बड़ी है। परिवार से दूर रहना, बच्चों की शिक्षा बदलते देश में करवाना, सुरक्षा का खतरा झेलना , यह सब इनके जीवन का हिस्सा है। कई बार दूतावास पर हमले भी होते हैं, जैसे अफगानिस्तान में। फिर भी अधिकारी डटे रहते हैं। यहाँ स्पष्ट करना आवश्यक है कि आईएफएस का अर्थ भारतीय वन सेवा भी है, जो 1966 में बनी और पर्यावरण संरक्षण का कार्य करती है। परन्तु 9 अक्टूबर को मनाया जाने वाला दिवस भारतीय विदेश सेवा का है। दोनों ही सेवाएँ भारत की धरोहर हैं । एक भारत की सीमाओं के भीतर वनों की रक्षा करती है, दूसरी सीमाओं के बाहर भारत की प्रतिष्ठा की रक्षा करती है। भारतीय विदेश सेवा दिवस हमें याद दिलाता है कि आज जब भारत विश्व में पाँचवीं बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है, जब चंद्रमा पर हमारा झंडा है, जब विश्व की हर बड़ी मेज पर भारत की कुर्सी है, तो उसके पीछे उन 900 अधिकारियों और उनके हजारों सहयोगियों की तपस्या है जो बिना किसी शोर के भारत के तिरंगे को विदेशी धरती पर ऊँचा रखते हैं।

जीवन एक स्वर लहरी अनुशासन,संयम उनके गीत



भगवान बुद्ध ने इसी साहस,संयम और अनुशासन को संतुलन को मध्यम मार्ग के रूप में सामने रखा।उन्होंने अति-भोग और अति-कठोरता, दोनों से बचने की सीख दी। यह विचार आज भी उतना ही प्रासंगिक है। उपभोग की बढ़ती संस्कृति में संयम केवल व्यक्तिगत सद्गुण नहीं, बल्कि सामाजिक और पर्यावरणीय जिम्मेदारी भी है। जरूरत और लालच के बीच का अंतर समझ लेना जीवन को सरल और मन को हल्का कर सकता है।

संस्कृत का प्रसिद्ध वाक्य है— 'शरीरमाद्यं खलु धर्मसाधनम् ', अर्थात शरीर ही सभी श्रेष्ठ कार्यों को पूरा करने का पहला साधन है।

महात्मा गांधी ने स्वास्थ्य को जीवन और सेवा से जोड़कर देखा। सादा भोजन, श्रम, स्वच्छता, नियमितता और आत्मसंयम उनके जीवन का हिस्सा थे। उन्होंने शरीर को विलासिता का साधन नहीं, बल्कि सेवा का माध्यम माना। उनका जीवन बताता है कि स्वास्थ्य केवल रोग से बचने का नाम नहीं; यह ऐसी जीवनशक्ति है, जो मनुष्य को अपने दायित्व निभाने योग्य बनाती है।

जीवन केवल सांसों के आने-जाने का नाम नहीं, बल्कि उन सांसों के बीच धड़कते अनुभवों, संघर्षों, आशाओं और सपनों की यात्रा है। इस यात्रा को सार्थक बनाने के लिए शरीर का स्वस्थ, मन का संयमित और जीवन का अनुशासित होना आवश्यक है। इसलिए यह कहना सार्थक है कि 'स्वास्थ्य, संयम और अनुशासन जीवन का स्पंदित संगीत है।' जैसे संगीत अनेक स्वरों के संतुलन से मधुर बनता है, वैसे ही जीवन भी संतुलन से सुंदर और सार्थक होता है। स्वास्थ्य जीवन की पहली पूंजी है। धन, पद और सुविधाएं मनुष्य को बहुत कुछ दे सकती हैं, लेकिन स्वस्थ शरीर और शांत मन नहीं खरीद सकतीं। जब शरीर स्वस्थ होता है तो साधारण क्षण भी आनंद देते हैं—सुबह की धूप, खुली हवा, पेड़ों की छांव या किसी अपने की मुस्कान। बीमारी इन छोटी खुशियों की चमक तक फीकी कर देती है। भारतीय चिंतन ने इस सत्य को बहुत पहले पहचान लिया था।

आज सुविधाएं बढ़ी हैं, लेकिन स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियां भी बढ़ी हैं। लंबे समय तक बैठे रहना, अनियमित भोजन, देर रात तक जागना, अत्यधिक स्क्रीन समय और लगातार मानसिक दबाव आधुनिक जीवन का हिस्सा बन चुके हैं। हम थकान को उत्तेजना से और बेचैनी को मनोरंजन से ढकने की कोशिश करते हैं, जबकि शरीर को विश्राम और मन को शांति चाहिए। इसलिए स्वस्थ जीवन के लिए संतुलित भोजन, नियमित शारीरिक गतिविधि, पर्याप्त नींद और प्रकृति से जुड़ाव को दिनचर्या में स्थान देना होगा।

स्वास्थ्य के साथ संयम आवश्यक है। इच्छाएं मनुष्य के स्वभाव का हिस्सा हैं, लेकिन हर इच्छा की पूर्ति जरूरी नहीं। संयम इच्छाओं का दमन नहीं, उनका विवेकपूर्ण नियमन है। भोजन, धन, उपभोग, वाणी, क्रोध और मनोरंजन—हर क्षेत्र में इसकी जरूरत है। मनुष्य की परिपक्वता इस बात से भी पहचानी जाती है कि वह अपनी सामर्थ्य के बावजूद स्वयं को अनुशासन में संयमित करना होगा। महात्मा गांधी का जीवन आत्मसंयम की शक्ति का दूसरा महत्वपूर्ण उदाहरण है। सत्य, अहिंसा और अपरिग्रह उनके लिए केवल विचार नहीं, जीवन के प्रयोग थे। वे दूसरों को बदलने से पहले स्वयं को बदलने का प्रयास करते थे। यही आत्मपरीक्षण आज भी जरूरी है। दूसरों की कमियां देखना आसान है; अपनी आदतों और कमजोरियों को पहचानना कठिन। संयम मनुष्य को इसी ईमानदार आत्मदर्शन की ओर ले जाता है।

स्वास्थ्य और संयम को स्थायी रूप देने वाली शक्ति है अनुशासन। प्रतिभा अवसर दिला सकती है, लेकिन अनुशासन उपलब्धि को स्थायित्व देता है। स्वामी विवेकानंद ने युवाओं को लक्ष्य के प्रति जागरूक और कर्म के प्रति समर्पित होने का संदेश दिया। उनका आह्वान— 'उठो, जागो और तब तक नहीं रुको जब तक लक्ष्य प्राप्त न हो जाए '—निरंतर प्रयत्न और दृढ़ संकल्प का प्रतीक है।

डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम का जीवन भी अनुशासन और परिश्रम की शक्ति का प्रेरक उदाहरण है। साधारण परिस्थितियों से निकलकर वैज्ञानिक और राष्ट्राध्यक्ष बनने तक की उनकी यात्रा बताती है कि बड़े सपनों को आकार देने के लिए अध्ययन, समय का सदुपयोग, निरंतर प्रयास और असफलताओं से सीखने का साहस चाहिए। प्रतिभा तभी फलती है जब उसे अनुशासित श्रम का आधार मिले।

अनुशासन का अर्थ केवल समय पर उठना या काम पूरा करना नहीं है। यह अपने समय, विचार, शब्द और व्यवहार को उद्देश्यपूर्ण बनाना है। विद्यार्थी के लिए नियमित अध्ययन, खिलाड़ी के लिए अभ्यास, कलाकार के लिए साधना और नागरिक के लिए कर्तव्यनिष्ठा—अनुशासन के अलग-अलग रूप हैं। इसके अभाव में प्रतिभा बिखर जाती है और ऊर्जा दिशाहीन हो जाती है।

आज की तेज रफ्तार जिंदगी में सबसे जरूरी है कि हम कभी-कभी रुककर स्वयं से पूछें—क्या हम अपने शरीर के लिए समय निकाल रहे हैं? क्या हमारी इच्छाएं हमारी जरूरतों पर हावी हो गई हैं? क्या व्यस्तता ने हमारी दिनचर्या को अव्यवस्थित कर दिया है? ऐसे प्रश्न असुविधाजनक जरूर हैं, लेकिन आत्मसुधार की शुरुआत अक्सर इन्हीं से होती है। परिवर्तन के लिए बड़े संकल्पों की आवश्यकता नहीं। नियमित चलना, संतुलित भोजन करना, पर्याप्त नींद लेना, कुछ समय मोबाइल से दूर रहना, क्रोध में प्रतिक्रिया देने से पहले ठहरना, अनावश्यक उपभोग से बचना और अपने समय का सम्मान करना—ये छोटी आदतें जीवन की दिशा बदल सकती हैं। अनुशासन कठोरता नहीं; अपने बेहतर भविष्य के प्रति वर्तमान की जिम्मेदारी है। अंतत: स्वास्थ्य हमें कर्म की शक्ति देता है, संयम सही चुनाव की बुद्धि और अनुशासन लक्ष्य तक पहुंचने की निरंतरता। इन तीनों का संतुलन मनुष्य को केवल सफल नहीं, बल्कि संवेदनशील और जिम्मेदार भी बनाता है।

कथा

मेरे हिस्से का घर-परिवार

'देख संगीता, मैं बाज़ार से यह सलेक्स ले आई हूँ। तुम कल कह रही थी न कि तुम्हारी पीली वाली सलेक्स खराब हो गई है? इसलिए यह ले आई।'

संगीता के चेहरे पर जरा भी खुशी नहीं आई। उसने पूछा, 'कितने की है यह सलेक्स?'

सासू माँ बोलीं, 'छ: सौ पचास रुपये की।'

संगीता खीझकर बोली, 'इतनी महँगी सलेक्स लाने की क्या ज़रूरत थी? मुझे नहीं चाहिए। कल वापस कर आइए।'

सासू माँ का चेहरा उतर गया। 'ठीक है,' वे धीमे स्वर में बोलीं और उदास मन से अपने कमरे में चली गईं।

अभय यह सब देख रहा था। माँ के जाते ही बोला, 'तुमने ठीक नहीं किया। सलेक्स रख लेती तो क्या हो जाता! अगर दुकान ने कल वापस न ली तो? माँ फिर बाजार जाएँगी, परेशान होंगी।'

संगीता मुस्कुराई, 'आप देखते जाइए... वे कल बाज़ार नहीं जाएँगी।'

अभय कुछ समझ पाता, इससे पहले ही सासू माँ वापस कमरे में आईं। हाथ में वही सलेक्स थी। बोलीं, 'बहू, कपड़ा बहुत अच्छा है, तुम इसे रख ही लो।'

संगीता ने कहा, 'ठीक है, रख लेती हूँ... लेकिन आगे से मत लाइएगा।'

इतना सुनते ही सासू माँ बच्चों की तरह खिल उठीं, फिर बोलीं, 'इस रिमझिम को देखो, मेरी एक नहीं सुनती! कल झाड़ू लगाते हुए कोनों में कूड़ा छोड़ दिया था। तुम इसे समझा देना—मेरी बात माने, वरना काम से निकाल दूँगी।' इतना कहकर वे रिमझिम को आवाज़ देती बाहर चली गईं।

संगीता रसोई की ओर बढ़ने लगी तो अभय बोला, 'जब आखिर में सलेक्स रखनी ही थी तो पहले क्यों नहीं रख ली?'

संगीता हँस दी, 'पहले रख लेती तो कल कुछ और नया ले आतीं।'

अभय बोला, 'सच कहूँ, माँ के साथ निभाना आसान नहीं। तभी तो मेरा कोई भाई-बहन उन्हें अपने साथ नहीं रखना चाहता।'संगीता ने पलटकर पूछा, 'पर माँ को साथ नहीं रखेंगे तो बच्चों को दादी का प्यार कौन देगा? और वे रहेंगी कहाँ?'

अभय ने कहा, 'फिर तुम दोनों सारा दिन नोकझोंक क्यों करती रहती हो? तुम माँ के हर काम में मीन-मेख निकालती हो।'

मस्तिष्क के रहस्यों की नई खोज से मानवता के उजाले

मानव सभ्यता की यात्रा अंधकार से प्रकाश की ओर बढ़ने की यात्रा है। कभी मनुष्य ने प्रकृति के रहस्यों को समझने के लिए आकाश की ओर देखा, कभी धरती की गहराइयों में उतरकर जीवन के सूत्र खोजे और कभी अपने शरीर के भीतर छिपी अद्भुत शक्तियों को जानने का प्रयास किया। विज्ञान की प्रत्येक महत्वपूर्ण खोज ने मनुष्य के सामने एक नया क्षितिज खोला है। लेकिन इन सभी खोजों के बीच मानव मस्तिष्क आज भी सबसे बड़ी पहेली बना हुआ है। जिस मस्तिष्क ने विशाल पर्वतों को लांघने, समुद्रों की गहराइयों को नापने, अंतरिक्ष तक पहुंचने और कृत्रिम बुद्धिमत्ता विकसित करने की क्षमता अर्जित की, उसी मस्तिष्क के भीतर विचार कैसे जन्म लेते हैं, स्मृतियां कैसे आकार पाती हैं, भावनाएं हमारे व्यवहार को किस प्रकार संचालित करती हैं और मानसिक पीड़ा मनुष्य के जीवन को किस तरह बदल देती है, ये प्रश्न लंबे समय से वैज्ञानिकों को चुनौती देते रहे हैं। ऐसे में मस्तिष्क की तंत्रिका कोशिकाओं को प्रकाश के माध्यम से नियंत्रित करने से संबंधित अनुसंधान का महत्व केवल वैज्ञानिक उपलब्धि तक सीमित नहीं है, बल्कि यह मानव जीवन को समझने और उसके दुखों को कम करने की दिशा में एक नई आशा का संचार करता है। वर्ष 2026 के चिकित्सा के नोबेल पुरस्कार के संबंध में प्रस्तुत विवरण में कार्ल डेइसेरोथ, पीटर हेगेमान और जॉर्ज नागेल की जिस खोज का उल्लेख है, वह विज्ञान की इसी खोजी प्रवृत्ति का उदाहरण है। इस अनुसंधान से विकसित प्रकाशानुवंशिकी तकनीक ने मस्तिष्क की गतिविधियों का अध्ययन करने के लिए एक ऐसा मार्ग उपलब्ध कराया है, जिसके माध्यम से वैज्ञानिक विशेष तंत्रिका कोशिकाओं को प्रकाश की सहायता से सक्रिय या निष्क्रिय कर सकते हैं। इस उपलब्धि की विशेषता यह है कि इसकी शुरुआत किसी विशाल प्रयोगशाला में मनुष्य के मस्तिष्क पर किए गए प्रयोग से नहीं, बल्कि एक छोटे से शैवाल में प्रकाश के प्रति संवेदनशील प्रोटीन को समझने के प्रयास से हुई। प्रकृति के एक सूक्ष्म जीव में छिपे रहस्य ने मानव मस्तिष्क के अध्ययन के लिए नई संभावनाओं के द्वार खोल दिए। यह घटना हमें बताती है कि प्रकृति में छोटा-बड़ा कुछ भी महत्वहीन नहीं होता। कभी-कभी जीवन की सबसे बड़ी समस्याओं का समाधान प्रकृति के सबसे छोटे घटकों में छिपा होता है।

इस खोज की मूल भावना को समझना आवश्यक है। हमारे मस्तिष्क में असंख्य तंत्रिका कोशिकाएं विद्युत और रासायनिक संकेतों के माध्यम से परस्पर संवाद करती हैं। यही संवाद हमारी स्मृति, संवेदना, भय, प्रसन्नता, निर्णय और व्यवहार को प्रभावित करता है। पहले वैज्ञानिक मस्तिष्क के उन हिस्सों का अध्ययन कर सकते थे जो किसी विशेष गतिविधि के समय सक्रिय होते हैं, लेकिन केवल सक्रियता देख लेने से यह निश्चित करना कठिन था कि कोई विशेष कोशिका उस गतिविधि का कारण भी है या नहीं। प्रकाश के माध्यम से चुनिंदा कोशिकाओं को नियंत्रित करने की तकनीक ने इस अंतर को समझने का अवसर दिया। अब वैज्ञानिक अधिक सूक्ष्मता से जांच सकते हैं कि किसी विशेष तंत्रिका समूह को सक्रिय करने अथवा उसकी गतिविधि रोकने से व्यवहार और शारीरिक प्रतिक्रिया में क्या परिवर्तन आता है। इस प्रकार मस्तिष्क का अध्ययन केवल देखने की प्रक्रिया से आगे बढ़कर कारण और परिणाम के संबंधों को समझने की दिशा में बढ़ा है। फिर भी वैज्ञानिक आशा और वास्तविक चिकित्सा उपलब्धि के बीच का अंतर समझना उतना ही आवश्यक है। विशेषकर मनुष्य के मस्तिष्क में इस तकनीक के सुरक्षित उपयोग के लिए अनेक वैज्ञानिक, चिकित्सकीय और नैतिक चुनौतियों का समाधान आवश्यक है। इसी प्रकार कृत्रिम बुद्धिमत्ता और मस्तिष्क के संबंधों में इस अनुसंधान की उपयोगिता की संभावनाएं हो सकती हैं, लेकिन प्रत्येक संभावित लाभ को स्थापित उपलब्धि मान लेना विज्ञान की गंभीरता के अनुकूल नहीं है। वास्तविक वैज्ञानिक दृष्टि वही है जो आशा को जीवित रखे, लेकिन तथ्यों के प्रति ईमानदार भी बनी रहे।

यहां इस खोज की तुलना विज्ञान की उन अन्य उपलब्धियों से भी की जा सकती है, जिन्होंने मानव जीवन की दिशा बदल दी। टीकों ने संक्रामक रोगों से बचाव के नए रास्ते खोले, प्रतिजैविक औषधियों ने अनेक प्राणघातक संक्रमणों के उपचार को संभव बनाया और आधुनिक शल्य चिकित्सा ने असंख्य जीवन बचाए। इन उपलब्धियों की विशेषता केवल उनकी वैज्ञानिक नवीनता नहीं थी, बल्कि उनका व्यापक सामाजिक प्रभाव भी था। दूसरी ओर, विज्ञान की कुछ खोजों को प्रयोगशाला से सामान्य जीवन तक पहुंचने में दशकों लगे। मस्तिष्क संबंधी अनुसंधान भी इसी लंबी यात्रा का हिस्सा है। इसका वास्तविक मूल्य तभी सामने आएगा, जब इससे प्राप्त ज्ञान सुरक्षित उपचारों, सुलभ चिकित्सा और रोगियों के जीवन में ठोस सुधार का आधार बनेगा।

मेडिकल उत्पादों में अनियमितताएँ; उपभोक्ता मामले विभाग की प्रदेश भर में बड़ी कार्रवाई

संचार जगत

जयपुर। उपभोक्ता मामले विभाग मंत्री श्री सुमित गोदारा के निर्देशन में मरीजों और उनके परिजनों को मेडिकल एवं हेल्थकेयर उत्पादों की सही मात्रा तथा आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराने के उद्देश्य से विधिक मापविज्ञान प्रकोष्ठ, राजस्थान द्वारा विशेष निरीक्षण अभियान चलाया गया। अजय सर्जिकल्स कंपनी, नेहरू बाज़ार, जयपुर द्वारा 500 ग्राम घोषित मात्रा वाले के पैकेट में प्रति पैकेट 14 ग्राम कम दिया जाना पाया गया। इस प्रकार उपभोक्ता से लगभग प्रति पैकेट 12 रुपए अधिक वसूले जा रहे थे। विभाग ने सख्त कार्यवाही करते हुए कुल 354 किलो के 1020 पैकेट जब्त किए और 10 हजार रूपये का जुर्माना लगाया। शिवानी मेडिप्रो प्राइवेट लिमिटेड, गोपालपूरा बाईपास, जयपुर द्वारा 200 ग्राम घोषित मात्रा वाले के पैकेट में प्रति पैकेट 14 ग्राम कम दिया जाना पाया गया। इस प्रकार उपभोक्ता से लगभग प्रति पैकेट 15 रुपए अधिक वसूले जा रहे थे। विभाग ने सख्त कार्यवाही करते हुए कुल 200 किलो के 1000 पैकेट जब्त किए और 65 हजार रूपये का जुर्माना लगाया।

उपभोक्ता के पैसे के साथ उसके भरोसे की रक्षा भी जरूरी

मेडिकल उत्पाद खरीदने वाला प्रत्येक उपभोक्ता यह अपेक्षा करता है कि उसे भुगतान के अनुरूप घोषित मात्रा और उत्पाद के संबंध में सही जानकारी मिले। मात्रा में कमी से उपभोक्ता को अपने पैसे के अनुरूप सामग्री नहीं मिलती। वहीं, पैकेजिंग पर आवश्यक घोषणाओं का अभाव सही उत्पाद चुनने, मूल्य की तुलना करने तथा जिम्मेदार निर्माता या पैकर की पहचान करने में कठिनाई पैदा कर सकता है। विशेष रूप से मरीजों और उनके परिजनों के लिए मेडिकल सामग्री की खरीद पहले से ही उपचार संबंधी आर्थिक एवं मानसिक दबाव के बीच होती है। ऐसे में उत्पादों की मात्रा और घोषणाओं में पारदर्शिता सुनिश्चित करना उपभोक्ता अधिकारों की रक्षा के लिए महत्वपूर्ण है। विधिक मापविज्ञान प्रकोष्ठ, राजस्थान द्वारा मेडिकल एवं हेल्थकेयर उत्पादों की आपूर्ति श्रृंखला में लागू पैकेज्ड कमोडिटीज नियमों के अनुपालन की जांच जारी रखी जाएगी। नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी तथा संबंधित फर्मों को कमियों में सुधार के निर्देश दिए जाएंगे।

मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने ली जल संचय, ईसरदा बांध और पीएचईडी प्रोजेक्ट्स की समीक्षा बैठक

संचार जगत

जयपुर। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने गुरुवार को टोंक विजिट के दौरान जिला मुख्यालय स्थित कलेक्ट्रेट सभागार में जल संचय- जन भागीदारी अभियान, ईसरदा बांध एवं पीएचईडी प्रोजेक्ट्स प्रगति को लेकर समीक्षा बैठक ली। उन्होंने जल संचय अभियान में जन भागीदारी, ईसरदा बांध निर्माण एवं पेयजल वितरण तथा पीएचईडी विभाग द्वारा संचालित प्रोजेक्ट्स को लेकर किए जा रहे कार्यों पर चर्चा कर संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने कहा कि जल संचय- जन भागीदारी अभियान के तहत कराए जा रहे कार्यों में आमजन, भामाशाह एवं जल उपयोगकर्ता संगठनों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाए। साथ ही ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में जल चौपाल जैसे कार्यक्रमों का आयोजन कर जल संरक्षण संरचनाओं को प्राथमिकता दी जाए। जिला कलक्टर संबंधित विभागों के साथ अभियान की नियमित समीक्षा कर जल संरक्षण के तहत हुए कार्यों का निरीक्षण करें। वी. श्रीनिवास ने अभियान के तहत टोंक जिले में ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज, स्वायत्त शासन, वाटर शैड, भूजल एवं वन विभाग द्वारा जल संचय के कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि जिन ग्रामीण क्षेत्रों में जल जीवन मिशन में कार्य पूर्ण हो चुका है, वहां जल अर्पण कार्यक्रम आयोजित कर पेयजल परियोजनाओं को हस्तांतरित करने का कार्य किया जाए। प्रदेश के महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट ईसरदा बांध के निर्माण कार्य एवं पेयजल वितरण की प्रगति और पीएचईडी प्रोजेक्ट की पूर्णता को लेकर मुख्य सचिव ने संबंधित अधिकारियों को इसमें गति लाने के निर्देश दिए। उन्होंने बांध निर्माण में भूमि अवाप्ति की स्थिति के बारे में विस्तार से चर्चा की। इस दौरान संभागीय आयुक्त शक्ति सिंह राठौड, जिला कलेक्टर टीना डाबी, पुलिस अधीक्षक रोशन मीना, एडीएम विनोद कुमार मीना, सीईओ राकेश कुमार मीना, मुख्य अभियंता (पीएचईडी) राजसिंह, अधीक्षण अभियंता ईसरदा बांध जितेन्द्र लुहाड़िया समेत जल संसाधन, पीएचईडी, स्वायत्त शासन, वाटर शैड, कृषि एवं वन विभाग के अधिकारी मौजूद रहें।

जोश टीम के माध्यम से टीबी का संदेश घर-घर और समुदाय तक पहुंचाने पर जोर

संचार जगत

जयपुर। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्री जगत प्रकाश नड्डा ने कहा कि टीबी मुक्त भारत के लक्ष्य को हासिल करने के लिए सरकार के प्रयासों के साथ समाज और युवाओं की सक्रिय भागीदारी भी जरूरी है। युवाओं में ऊर्जा, उत्साह और समाज तक पहुंचने की क्षमता है।

जोश (जाइंट स्क्वायड फॉर हेल्थ) टीमों के माध्यम से युवाओं को टीबी के खिलाफ जागरूकता और जनभागीदारी के अभियान से जोड़ा जा रहा है। उन्होंने कहा कि जोश टीमें टीबी के लक्षणों, बचाव, समय पर जांच और पूरा इलाज कराने का संदेश समुदाय तक पहुंचाने के साथ ही टीबी से जुड़े भ्रम और भेदभाव को दूर करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। नड्डा ने यह बात गुरुवार को नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में जोश टीमों के राष्ट्रीय शुभारंभ के अवसर पर कही।

राजस्थान पुलिस के खेलों में नया अध्याय

डीजीपी राजीव कुमार शर्मा ने बॉल रोलिंग कर किया टीम और उद्घाटन मैच का शुभारंभ

संचार जगत



जयपुर। राजस्थान पुलिस में खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने की दिशा में अभिनव पहल की गई है। राजस्थान पुलिस ने देश की पहली पुलिस पोलो टीम तैयार की है। प्रदेश पुलिस के खेलों के दायरे में अब पोलो खेल भी शामिल हो गया है। राजस्थान पुलिस अकादमी के हॉकी ग्राउंड में गुरुवार शाम को पुलिस पोलो टीम का उद्घाटन समारोह हुआ, जिसमें एक टीम रेड और टीम ब्लू के बीच एक प्रदर्शन मैच खेला गया। पुलिस महानिदेशक राजस्थान श्री राजीव कुमार शर्मा ने बॉल रोलिंग कर पुलिस पोलो टीम और उद्घाटन मुकाबले का शुभारंभ किया। इसके साथ ही घोड़ों की रफ्तार, खिलाड़ियों के कौशल और टीम तालमेल के सजे रोमांचक मुकाबले ने दर्शकों की तालियां बटोरी। टीम रेड की ओर से जितेंद्र सिंह, मयूर सिंह, विजय और देवेंद्र तथा टीम ब्लू की ओर से अजय सिंह, शुभम गुप्ता, राजेश कुमार और डूंगर सिंह ने शानदार खेल का प्रदर्शन किया। तेज रफ्तार घोड़ों पर सवार खिलाड़ियों के बेहतरीन कौशल और तालमेल ने मुकाबले में रोमांच भर दिया। इस प्रदर्शन मैच में टीम ब्लू ने शानदार प्रदर्शन करते हुए टीम रेड को 6-2 से पराजित किया। डीजीपी श्री राजीव कुमार शर्मा ने कहा कि राजस्थान पुलिस ने विशेष पहल करते हुए अल्प समय में पोलो टीम तैयार कर प्रदर्शन मैच खेला है। आने वाले समय में राजस्थान पुलिस की टीम विभिन्न प्रतियोगिताओं में भी खेलती नजर आएगी। उन्होंने कहा कि पुलिस बल में खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहन देने से खिलाड़ियों में अनुशासन, टीम भावना और नेतृत्व क्षमता को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने बताया कि पोलो टीम के लिए सभी आवश्यक संसाधन और प्रशिक्षण उपलब्ध कराए जाएंगे, जिससे खिलाड़ियों का प्रदर्शन और बेहतर हो सकेगा। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक एवं मुख्य खेल अधिकारी श्री रूपिंदर सिंह ने बताया कि डीजीपी श्री शर्मा के विजन अनुरूप राजस्थान पुलिस की पोलो टीम तैयार की गई है। देश में पहली बार राजस्थान पुलिस ने इतिहास रचा है। नियमित अभ्यास करते हुए हमारा लक्ष्य बड़ी प्रतियोगिताओं में खेलना हैं। इस अवसर पर राजस्थान पुलिस ऑर्केस्ट्रा बैंड की भी शुरुआत की गई। कार्यक्रम में डीजीपी यातायात श्रीमती मालिनी अग्रवाल, राजस्थान पोलो क्लब के सचिव दिग्विजय सिंह, पूर्व पोलो खिलाड़ी कर्नल कुलदीप सिंह सहित पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

प्रमुख शासन सचिव, राजस्व एवं उपनिवेशन श्री टी. रविकान्त ने 181 हेल्पलाइन पर की जनसुनवाई

संचार जगत



जयपुर। प्रमुख शासन सचिव, राजस्व एवं उपनिवेशन श्री टी. रविकान्त ने आज 181 हेल्पलाइन के माध्यम से परिवादियों से संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने कुल आठ परिवादियों से बातचीत की, जिनमें तीन परिवादियों से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से तथा पांच परिवादियों से लैंडलाइन के माध्यम से संवाद किया। जनसुनवाई के दौरान भरतपुर के श्री ललित कुमार मुदगल, डीग के श्री मियाजुद्दीन, करौली के श्री भोलू, सीकर के श्री तेज पाल एवं श्री सुशील कुमार जी, जयपुर के श्री अनुज जसोरिया, श्री नाथू लाल तथा श्री राजू ने अपनी समस्याएं रखीं। श्री रविकान्त ने परिवादियों द्वारा प्रस्तुत प्रकरणों को गंभीरता से सुना। इनमें चरागाह एवं आबादी भूमि से अतिक्रमण हटाने, रास्ते से अतिक्रमण हटाने, नामांतरण, भूमि संबंधी विवाद, भूमि अभिलेखों में सुधार तथा अन्य राजस्व संबंधी प्रकरण शामिल थे। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से प्रकरणों की स्थिति की जानकारी लेते हुए परिवादियों की समस्याओं के नियमानुसार शीघ्र समाधान के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने संबंधित उपखंड अधिकारी एवं तहसीलदार को परिवाद निस्तारण की रिपोर्ट तीन दिन के अंदर प्रस्तुत करने के निर्देश दिए।

राम विलास पासवान की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा, सामाजिक न्याय के योगदान को किया याद

संचार जगत



जयपुर। लोक जनशक्ति पार्टी के संस्थापक एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री स्वर्गीय राम विलास पासवान की पुण्यतिथि पर राजस्थान महिला प्रकोष्ठ, लोक जनशक्ति पार्टी के अजमेर रोड स्थित कार्यालय में श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। इस दौरान वक्ताओं ने स्वर्गीय पासवान के सामाजिक सरोकारों, वंचित एवं जरूरतमंद वर्गों के लिए किए गए कार्यों तथा सार्वजनिक जीवन में उनके योगदान को याद किया। उनके विचारों और सामाजिक न्याय के प्रति प्रतिबद्धता पर भी चर्चा हुई। कार्यक्रम में लोक जनशक्ति पार्टी राजस्थान महिला प्रकोष्ठ की प्रदेश अध्यक्ष विनोद कंवर, नेहा शर्मा, राष्ट्रीय सचिव सूरज जी सहित पार्टी के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे। वहीं अंतर्राष्ट्रीय मानव अधिकार एवं सामाजिक न्याय संगठन की ओर से राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. नीरज सिंह, महिला प्रकोष्ठ की राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती चमन कंवर एवं शिक्षा प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय अध्यक्ष बृजेश पाठक ने भी श्रद्धांजलि अर्पित की। डॉ. नीरज सिंह ने कहा कि राम विलास पासवान का सार्वजनिक जीवन सामाजिक न्याय, समानता और वंचित वर्गों की आवाज को मजबूत करने के लिए समर्पित रहा। उनके संघर्ष और विचार आने वाली पीढ़ियों को जनसेवा के लिए प्रेरणा देते रहेंगे।

विधानसभा अध्यक्ष ने अजमेर जिले के वार्ड 71 में 47.99 लाख रुपये के सड़क कार्यों का किया शुभारम्भ

संचार जगत

जयपुर। विधानसभा अध्यक्ष श्री वासुदेव देवनानी ने गुरुवार को अजमेर उत्तर विधानसभा क्षेत्र के वार्ड 71 स्थित सागर विहार कॉलोनी की विभिन्न गलियों में सड़क निर्माण कार्यों का शुभारम्भ किया। इन कार्यों पर सार्वजनिक निर्माण विभाग द्वारा 47.99 लाख रुपये की लागत आएगी। सड़कों के निर्माण से क्षेत्रवासियों तथा आसपास की कॉलोनियों के नागरिकों को सुगम एवं सुरक्षित आवागमन की सुविधा मिलेगी। इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष श्री वासुदेव देवनानी ने कहा कि अजमेर उत्तर क्षेत्र में विकास कार्यों को निरंतर गति दी जा रही है। पिछले दो दिनों में ही 2.5 करोड़ रुपये से अधिक लागत के विभिन्न विकास कार्यों का शुभारम्भ किया गया है। सड़क, पेयजल, विद्युत, शिक्षा और स्वास्थ्य सहित सभी प्रमुख क्षेत्रों में विकास कार्य प्राथमिकता के साथ करवाए जा रहे हैं। क्षेत्र की आवश्यकताओं को चिन्हित कर उनका समयबद्ध समाधान सुनिश्चित किया जा रहा है उन्होंने कहा कि अजमेर के विकास की रफ्तार तेज करने के लिए पिछले ढाई वर्षों में सैकड़ों करोड़ रुपये के विकास कार्य करवाए गए हैं। पेयजल व्यवस्था को मजबूत करने के लिए महत्वपूर्ण परियोजनाएं प्रगतिरत हैं। चिकित्सा सुविधाओं के विस्तार के लिए सुपर स्पेशियलिटी ब्लॉक का निर्माण किया जा रहा है। विद्युत आपूर्ति व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए जयपुर रोड पर नए जीएसएस का निर्माण भी करवाया जा रहा है। श्री देवनानी ने कहा कि दीपावली से पहले प्रमुख सड़कों पर हैरीटेज लाइट एवं डेकोरेटिव पोल लगाए जाएंगे। आवश्यकता वाले प्रमुख चौराहों पर हाईमास्ट एवं मिनी हाईमास्ट लाइटें लगाई जाएंगी। शहर के सभी 80 वार्डों में आवश्यकता के अनुसार करीब 3 हजार नई स्ट्रीट लाइटें भी लगाई जा रही हैं।

एलीवेटेड रोड के नीचे त्योहारों के अवसर पर आकर्षक रोशनी की जाएगी। इससे अजमेर की रात्रिकालीन सुंदरता बढ़ने के साथ पर्यटन एवं नागरिक सुविधाओं को भी बढ़ावा मिलेगा श्री देवनानी ने कहा कि अजमेर को सुंदर, स्वच्छ और बेहतर पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने के लिए प्रमुख मार्गों एवं प्रवेश क्षेत्रों में सौंदर्यीकरण, हरित विकास तथा नागरिक सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है। शहर को रिंग रोड से बेहतर कनेक्टिविटी देने के लिए चार प्रमुख सड़कों के विकास एवं विस्तार की दिशा में कार्य चल रहे हैं। उन्होंने कहा कि वरुण सागर एवं चौरसियावास तालाब के सौंदर्यीकरण का कार्य भी शीघ्र पूरा होगा।

इससे आनासागर के साथ इन जलाशयों पर भी पर्यटन गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा। तारागढ़ के विकास के लिए ?तिहासिक संरचनाओं एवं धरोहरों के संरक्षण के साथ क्षेत्र को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय पर्यटन मानचित्र पर प्रमुख स्थान दिलाने की दिशा में कार्य किया जाएगा कार्यक्रम में नवनियुक्त महापौर श्रीमती अनामिका शर्मा, पार्षद श्रीमती रितु रानी सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

नाना पाटेकर का राजकीय सम्मान से अंतिम संस्कार

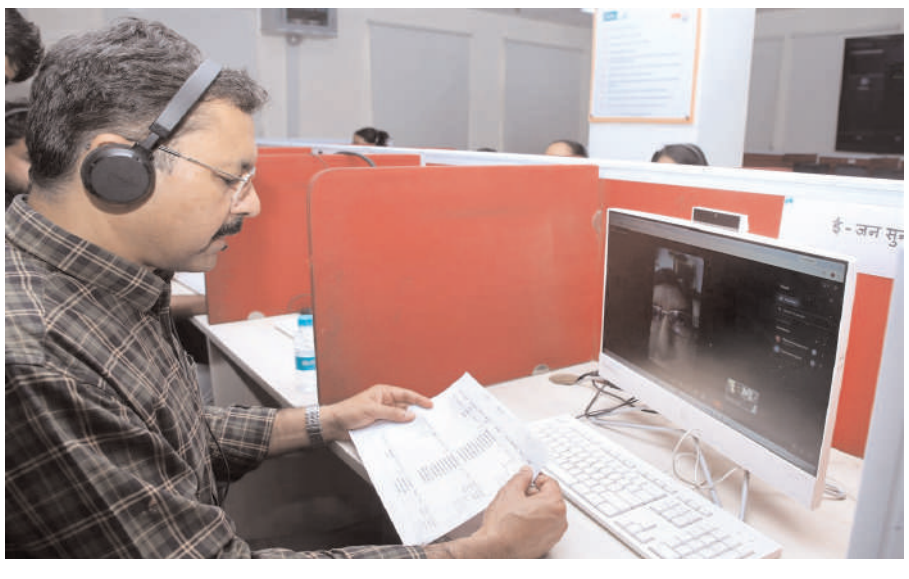


संचार जगत

पूणे। नाना पाटेकर का गुरुवार सुबह 75 साल की उम्र में निधन हो गया। गोवा स्थित घर में कार्डियक अरेस्ट के बाद उन्हें करीब 45 मिनट तक ष्टक्क दी गई, लेकिन उन्हें बचाया नहीं जा सका। नाना पाटेकर का पार्थिव शरीर पुणे लाया गया, जहां डोंजे गांव में रात को राजकीय सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार किया गया। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने उन्हें श्रद्धांजलि दी। अभिनेता जैकी श्रॉफ और निर्देशक अनिल शर्मा भी अंतिम संस्कार में शामिल हुए और नाना को अंतिम विदाई दी। मणिपाल हॉस्पिटल के डॉ. शेखर सालकर के मुताबिक नाना पाटेकर का सुबह 5:20 बजे निधन हुआ। घटना के वक्त नाना के साथ घर पर परिवार का कोई सदस्य नहीं था। उनके दोस्त और केयरटेकर मौजूद थे।

वित्त विभाग के प्रमुख शासन सचिव श्री वैभव गालरिया ने 181 हेल्पलाइन का किया निरीक्षण

संचार जगत



जयपुर। वित्त विभाग के प्रमुख शासन सचिव श्री वैभव गालरिया ने गुरुवार को 181 हेल्पलाइन का निरीक्षण कर शिकायत निवारण व्यवस्था की जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने चार शिकायतकर्ताओं से सीधे संवाद किया। इनमें डीडवाना-कुचामन के श्री आशाराम, भीलवाड़ा के श्री कुमार सिंह जी, जयपुर के श्री रमा किशन पुरोहित तथा जोधपुर के श्री भूपेंद्र सेन शामिल रहे। श्री गालरिया ने शिकायतकर्ताओं से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग एवं लैंडलाइन के जरिए बातचीत कर उनकी समस्याओं की जानकारी ली एवं प्रभावी निस्तारण हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया। सम्पर्क पोर्टल पर शिकायतों के निस्तारण की समीक्षा प्रमुख शासन सचिव, वित्त ने सम्पर्क पोर्टल के माध्यम से प्राप्त शिकायतों की प्रोसेसिंग एवं उनके निस्तारण की स्थिति की समीक्षा की।

उन्होंने अधिकारियों से शिकायतों की वर्तमान स्थिति, लंबित प्रकरणों तथा विभागीय स्तर पर की जा रही कार्रवाई की जानकारी लेते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। त्वरित एवं प्रभावी समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश श्री गालरिया ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि 181 हेल्पलाइन एवं सम्पर्क पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों का शीघ्र एवं प्रभावी निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि शिकायतों के समाधान में अनावश्यक विलंब नहीं हो तथा प्रत्येक प्रकरण की नियमित मॉनिटरिंग करते हुए शिकायतकर्ता को समयबद्ध राहत प्रदान की जाए। प्रमुख शासन सचिव, वित्त ने इस दौरान एआई आधारित 'सम्पर्क जीपीटी' की कार्यप्रणाली का भी अवलोकन किया। उपस्थित अधिकारियों ने बताया कि सम्पर्क जीपीटी के माध्यम से बड़ी संख्या में प्राप्त जन शिकायतों का एआई तकनीक के जरिए विश्लेषण, फ़िल्टरिंग एवं स्वत: वर्गीकरण किया जाता है। श्री गालरिया ने सम्पर्क जीपीटी के माध्यम से शिकायतों के विभिन्न स्तरों पर होने वाली प्रोसेसिंग एवं संबंधित श्रेणी में उनके वर्गीकरण की प्रक्रिया को देखा तथा इसकी कार्यप्रणाली की जानकारी ली।

नई दिल्ली में विभागीय शिखर सम्मेलन में शामिल हुईं डिप्टी सीएम दिया कुमारी, महिला एवं बाल सशक्तिकरण के प्रयासों को किया प्रस्तुत

संचार जगत



नई दिल्ली। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने आज नई दिल्ली में केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती अन्नपूर्णा देवी की अध्यक्षता में आयोजित विभागीय शिखर सम्मेलन में सहभागिता की।

इस दौरान उन्होंने राजस्थान सहित विभिन्न राज्यों में महिला सशक्तिकरण, बाल कल्याण, बालिका शिक्षा, पोषण एवं आंगनवाड़ी सेवाओं के क्षेत्र में किए जा रहे उल्लेखनीय कार्यों और नवाचारों को साझा किया। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में मातृशक्ति को सशक्त बनाने, बेटियों की शिक्षा को बढ़ावा देने तथा बच्चों के स्वस्थ एवं सुरक्षित भविष्य के निर्माण के लिए निरंतर प्रभावी प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने राजस्थान सरकार की प्राथमिकताओं को रेखांकित करते हुए कहा कि प्रदेश की हर बेटी को शिक्षा और आगे बढ़ने के समान अवसर उपलब्ध कराना सरकार का संकल्प है।

साथ ही प्रत्येक महिला और बच्चे के लिए सुरक्षित, स्वस्थ एवं उज्ज्वल भविष्य सुनिश्चित करने की दिशा में निरंतर कार्य किया जा रहा है। शिखर सम्मेलन में महिला एवं बाल विकास से जुड़े विभिन्न विषयों, योजनाओं, नवाचारों और राज्यों में किए जा रहे कार्यों पर चर्चा हुई।

अग्रसेन जयंती की शोभायात्रा का शहरभर में होगा प्रचार, रथ रवाना

उपमहापौर विवेक राजवंशी ने दिखाई हरी झंडी, 11 अक्टूबर को तलवंडी से निकलेगी भव्य शोभायात्रा

संचार जगत



कोटा। अंतर्राष्ट्रीय अग्रवाल सम्मेलन, अखिल भारतीय अग्रवाल संगठन एवं सर्व अग्रवाल समाज के संयुक्त तत्वावधान में नये कोटा से निकलने वाली भव्य अग्रसेन जयंती शोभायात्रा के प्रचार-प्रसार के लिए गुरुवार को तलवंडी से प्रचार रथ रवाना किया गया। प्रचार रथ के माध्यम से शहरभर में लोगों को शोभायात्रा एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम में शामिल होने का निमंत्रण दिया जाएगा। कार्यक्रम संयोजक राजेश मित्तल, जगदीश अग्रवाल चुने वाले एवं रमेश गोयल ने बताया कि रविवार, 11 अक्टूबर को अग्रसेन जयंती के अवसर पर दोपहर 2 बजे सेंट्रल पब्लिक स्कूल, तलवंडी से भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी। जो विभिन्न मार्गों से होते हुए अंबेडकर भवन, सीआईडी सर्किल पहुंचेगी। शोभायात्रा के समापन के बाद शाम 6 बजे अंबेडकर भवन में सांस्कृतिक संध्या, सम्मान समारोह एवं भोजन प्रसादी का आयोजन किया जाएगा। प्रचार रथ को कोटा के उपमहापौर विवेक राजवंशी पार्षद लोकेश गुप्ता एवं प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष डॉ. आरके राजवंशी, अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन के पूर्व युवा अध्यक्ष हेमराज जिंदल, अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन कोटा के संभागीय अध्यक्ष चंद्रप्रकाश सिंघल, प्रदेश के वरिष्ठ उपाध्यक्ष जगदीश अग्रवाल प्रॉपर्टी, प्रदेश महामंत्री पंकज अग्रवाल ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर उपमहापौर विवेक राजवंशी ने कहा कि महाराजा अग्रसेन जी की शिक्षाएं आज भी समाज को एकता, सहयोग, समानता और सेवा का संदेश देती हैं। अग्रसेन जयंती केवल एक समाज का पर्व नहीं, बल्कि सामाजिक एकता और सेवा भावना को मजबूत करने का अवसर है। उन्होंने सभी समाजबंधुओं से अधिक से अधिक संख्या में शोभायात्रा एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम में शामिल होकर आयोजन को भव्य बनाने का आह्वान किया। महिला कार्यक्रम संयोजक गायत्री मित्तल, उमा सिंघल, क्षमा गुप्ता इस अवसर पर अंतर्राष्ट्रीय अग्रवाल सम्मेलन कोटा के अध्यक्ष जगदीश अग्रवाल चुने वाले, संगठन के चेयरमेन मुकेश जैन,जवाहर नगर अध्यक्ष राजेंद्र गोयल, संगठन के जिला कार्यकारी अध्यक्ष महेंद्र गर्ग, अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन कोटा जिले के कार्यकारी अध्यक्ष जयंत अग्रवाल महिला अध्यक्ष किरण अग्रवाल, सम्मेलन के युवा महामंत्री तुषार अग्रवाल, संगठन के महामंत्री हितेश मंगल, बृजमोहन अग्रवाल,नीरज गुप्ता सुरेश सिंघल, अशोक गर्ग, विवेक गोयल, आशीष गोयल, सहित समाज के अनेक पदाधिकारी एवं गणमान्यजन उपस्थित रहे।

महापौर श्री सुनील कोठारी ने सिविल लाईन जोन की ली मैराथन समीक्षा बैठक

'फील्ड में सक्रिय रहें अधिकारी, जनसमस्याओं का हो त्वरित समाधान': सुनील कोठारी

संचार जगत

जयपुर। नगर निगम जयपुर महापौर श्री सुनील कोठारी ने गुरूवार को सिविल लाईन जोन के अधिकारियों, कर्मचारियों एवं स्वच्छता योद्धाओं के साथ 2 घंटे से भी अधिक मैराथन बैठक कर जोन स्तर के प्रषासकीय ढांचे, राजस्व वृद्धि, सफाई व्यवस्था, सफाई से जुड़े संसाधनों एवं विकास कार्यों पर विस्तृत चर्चा की। महापौर ने बैठक में जोन क्षेत्र में सफाई व्यवस्था सहित विभिन्न नागरिक सुविधाओं एवं नगर निगम से संबंधित कार्यों का बारीकी से समीक्षा करते हुए अधिकारियों से जोनवार फीडबैक लिया तथा आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। बैठक में उपमहापौर श्रीमती सरोज कंवर, अतिरिक्त आयुक्त श्री नरेन्द्र कुमार बंसल उपायुक्त (स्वास्थ्य) सतर्कता, पषु प्रबंधन सहित संबंधित वार्ड पार्षद मौजूद रहे। बैठक में पीपीटी के माध्यम से जोन के प्रषासकीय ढांचे, राजस्व वृद्धि, सफाई व्यवस्था, विकास कार्यों सहित अन्य महत्वपूर्ण बिन्दुओं पर चर्चा की गई। महापौर ने इस अवसर पर कहा कि जयपुर नगर निगम जनता का नगर निगम बनाया जाये, जनहित को प्राथमिकता दी जाये, आमजन को अनावष्यक चक्कर ना लगाना पड़े इसके लिये षिकायतों का प्रभावी तरीके से निस्तारण किया जाये। जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों की मासिक बैठक आयोजित हो जिससे समस्याऐं सुलझे और संवाद कायम हो तथा दीपावली तक वार्डवार विषेष सफाई अभियान चलाया जाये। महापौर ने कहा कि नवाचार के रूप में एक मंच पर अधिकारियों और वार्ड पार्षदों की बैठक आयोजित हो जिससे स्थानीय समस्याओं का निराकरण तत्काल रूप से हो सकेगा। बैठक में स्थानीय पार्षदों ने भी हूपर्स, प्रकाष व्यवस्था, यूडी टैक्स, सीवर लाईन, पषु प्रबंधन, अवैध अतिक्रमण संबंधित समस्याओं को उठाया महापौर ने अन्य सम्बन्धित अन्य विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक आयोजित कर शीघ्र समाधान के निर्देष दिये। महापौर ने बैठक में पार्षदगण को कहा की आगामी प्रमुख त्यौहारो के दृष्टिगत आम जन से भी जनसहभागिता सुनिष्चित की जाए तथा अपील की जाए की आम जन खुले में कचरा ना फेके तथा शहर को स्वच्छ व व्यवस्थित बनाने में अपनी भूमिका निभाए। हम सब मिलकर एक टीम के रूप में कार्य करेंगे। महापौर ने कहा कि सफाई का मतलब झाड़ू लगाना नहीं है बल्कि उस क्षेत्र को पूर्ण रूप से व्यवस्थित बनाना है। फुटपाथ आदि पर किसी भी प्रकार से कोई भी कचरा ना रहे, पेड़-पौधों की समय-समय पर कटाई छटाई होती रहे यह सुनिष्चित किया जाये। इसके साथ ही अधिषाषी अभियंता विद्युत को निर्देष दिये के स्थानों का सर्वे कर आकलन किया जाए तथा समुचित वॉट की लाईट लगाई जाए। जिससे वहा समुचित प्रकाष हो सके। महापौर ने दीपावली पर्व के मध्यनजर सभी आवष्यक तैयारियों जैसे सफाई, विद्युत, सड़कों पर पेचवर्क, सड़कों पर पड़े सीएनडी वेस्ट को समय-समय पर हटाने के भी निर्देष दिये। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि समय-समय पर साप्ताहिक सफाई अभियान वार्डवार चलाया जाये सभी मिलकर काम करेगे तो जयपुर को बेहतर बना पायेगे। महापौर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जोन स्तर पर व्यवस्थाओं की नियमित समीक्षा की जाए तथा फील्ड में सामने आने वाली कमियों को तत्काल दूर किया जाए। उन्होंने कहा कि नगर निगम की योजनाओं एवं सेवाओं का वास्तविक लाभ आमजन तक पहुंचे, यह सुनिश्चित करना प्रत्येक अधिकारी की जिम्मेदारी है।

मेला आयोजन की तैयारियां अंतिम चरण में, विधायक-महापौर ने किया निरीक्षण

संचार जगत



कोटा। कोटा दक्षिण विधायक माननीय संदीप शर्मा जी और नगर निगम की महापौर अनुसुईया गोस्वामी ने गुरुवार को आयुक्त एवं मेला अधिकारी ओमप्रकाश मेहरा के साथ दशहरा मेला प्रांगण का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने मेला उद्घाटन से पूर्व सभी शेष तैयारियां पूरी करने तथा उद्घाटन समारोह को भव्य एवं आकर्षक बनाने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान विधायक और महापौर ने विजयश्री रंगमंच एवं श्रीराम रंगमंच पर चल रहे फिनिशिंग कार्य का जायजा लिया। उन्होंने दोनों मंचों के शेष कार्यों को जल्द पूरा करने के निर्देश दिए। साथ ही मेला मैदान में जहां कहीं भी घास-फूस एवं झाड़ियां उगी हैं, उन्हें हटाकर पूरे परिसर को साफ-सुथरा रखने के निर्देश दिए। श्रीराम रंगमंच के समीप विकास कार्यों के दौरान तोड़ी गई दीवार के स्थान पर हाड़ौती की ऐतिहासिक विरासत एवं प्रमुख पर्यटन स्थलों को प्रदर्शित करने वाले फ्लेक्स अथवा आकर्षक व्यू-कटर लगाने के निर्देश दिए गए। इससे मेले में आने वाले लोगों को हाड़ौती की संस्कृति, विरासत और पर्यटन स्थलों की जानकारी भी मिल सकेगी। विधायक संदीप शर्मा ने कहा कि दशहरा मेला प्रत्येक व्यक्ति के आकर्षण का केंद्र है। यहां आने वाला हर व्यक्ति आनंद और उत्साह की अनुभूति लेकर लौटे, यह सुनिश्चित करना हम सभी का दायित्व है। उन्होंने अधिकारियों को सभी व्यवस्थाओं को समयबद्ध तरीके से पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने नगर निगम भवन के रंग-रोगन का कार्य भी शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए। महापौर अनुसुईया गोस्वामी ने कहा कि अधिकारी दिन-रात जुटकर शेष बचे कार्यों को जल्द से जल्द पूरा करें। उद्घाटन के दिन मेला परिसर पूरी भव्यता और आकर्षण के साथ तैयार दिखाई देना चाहिए। निरीक्षण के दौरान विधायक, महापौर व अधिकारियों ने उन पाइंट्स को भी देखा जिनके बारे में एक गुरूवार को एक समाचार पत्र में प्रकाशित किया गया। अधिशासी अभियंता संजय विजय ने बताया कि समाचार में दीवार को खतरा होने की बात निराधार है। निर्माण कार्य के चलते फायर हायड्रेंट्स भी हटाए जाने हैं। अधिशासी अभियंता विष्णु वैष्णव ने बताया कि दशहरा मैदान परिसर में विद्युत केबल बिछाने का कार्य अंतिम चरण में है। इस कारण विद्युत पैनल खुले हैं। केबल बिछते ही विद्युत पैनल्स को बंद कर दिया जाएगा। निरीक्षण के दौरान अतिरिक्त आयुक्त भावना सिंह, उपायुक्त धीरज कुमार सोनी सहित सभी वरिष्ठ अनुभाग अधिकारी उपस्थित रहे।

सेवा सेतु अभियान का भी किया निरीक्षण

मेला प्रांगण के निरीक्षण से पूर्व विधायक माननीश् संदीप शर्मा जी और महापौर अनुसुईया गोस्वामी ने नगर निगम के प्रशासनिक भवन में चल रहे सेवा सेतु अभियान का भी निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने शिविर में प्रधानमंत्री आवास योजना एवं प्रधानमंत्री सम्मान निधि योजना के लाभार्थियों को चेक एवं अभिशंसा पत्र प्रदान किए। विधायक माननीय संदीप शर्मा जी ने कहा कि हमारा प्रयास होना चाहिए कि शिविर में आने वाला प्रत्येक व्यक्ति यहां से राहत और लाभ लेकर लौटे। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की सरकार का उद्देश्य अधिक से अधिक लोगों को सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाकर राहत प्रदान करना है। अधिकारियों को इस लक्ष्य को हर हाल में प्राप्त करना होगा। मेले की तैयारियों को लेकर नगर निगम एवं जिला प्रशासन की संयुक्त बैठक शुक्रवार को संभागीय आयुक्त कार्यालय में आयोजित होगी। बैठक में विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ मेले की व्यवस्थाओं की समीक्षा की जाएगी। साथ ही सभी विभागों के बीच बेहतर आपसी समन्वय स्थापित कर मेले के भव्य एवं सुव्यवस्थित आयोजन को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए जाएंगे।

आरटीयू छात्र की मौत और छात्रों पर लाठीचार्ज शर्मनाक, भाजपा सरकार छात्र विरोधी : राखी गौतम

संचार जगत

कोटा। राजस्थान टेक्निकल यूनिवर्सिटी में बीटेक छात्र की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत के बाद अपने साथी छात्र को न्याय दिलाने की मांग को लेकर धरने पर बैठे छात्र-छात्राओं पर पुलिस द्वारा किए गए लाठीचार्ज और उन्हें घसीटते हुए हिरासत में लिए जाने की कार्रवाई को शहर जिला कांग्रेस कमेटी की अध्यक्ष राखी गौतम ने बेहद शर्मनाक, निंदनीय और तानाशाहीपूर्ण बताया है। राखी गौतम ने कहा कि एक छात्र की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत होना और उसके बाद न्याय की मांग कर रहे छात्रों की आवाज सुनने के बजाय उन पर पुलिस की लाठियां बरसाना भाजपा सरकार की संवेदनहीनता और छात्र विरोधी रवैये को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि कोटा देशभर में शिक्षा और कोचिंग नगरी के रूप में जाना जाता है, लेकिन भाजपा शासन में यहां छात्र स्वयं को सुरक्षित महसूस नहीं कर रहे हैं।

गौतम ने कहा कि मृत छात्र के साथियों का प्रदर्शन किसी राजनीतिक स्वार्थ के लिए नहीं, बल्कि अपने साथी को न्याय दिलाने और पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग को लेकर था। ऐसे में छात्रों के साथ संवाद करने के बजाय पुलिस बल का प्रयोग करना लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए बेहद चिंताजनक है।

उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार छात्रों की समस्याओं का समाधान करने के बजाय उनकी आवाज को लाठी के बल पर दबाने का प्रयास कर रही है। सरकार और प्रशासन को इस पूरे मामले की गंभीरता को समझते हुए छात्र की मौत की निष्पक्ष जांच करवानी चाहिए तथा प्रदर्शनकारी छात्रों के साथ हुई पुलिस कार्रवाई की भी जांच कर दोषी अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए।

राखी गौतम ने कहा कि कांग्रेस पार्टी छात्रों के साथ खड़ी है और छात्रों को न्याय मिलने तक उनकी आवाज को मजबूती से उठाती रहेगी। उन्होंने जिला प्रशासन से जाँच कर निष्पक्ष कार्यवाही करने की मांग की है।

कांग्रेस कार्यलय प्रभारी डॉ विजय सोनी ने भी उक्त घटना की निंदा करते हुए जिला प्रशासन से उचित कार्यवाही की मांग की है।

ब्रह्मशक्ति गरबा एवं डांडिया महोत्सव 10 अक्टूबर को

दादी/नानी-माँ-बेटी के सामूहिक डांडिया से विश्व रिकॉर्ड बनाने का प्रयास

संचार जगत

जयपुर। सर्व ब्राह्मण महासभा के जयपुर जिला महिला प्रकोष्ठ की ओर से 'ब्रह्मशक्ति गरबा एवं डांडिया महोत्सव-2026' का आयोजन 10 अक्टूबर को शाम 6:15 बजे से एम.आई. रोड स्थित चैंबर भवन में किया जाएगा। महोत्सव का विशेष आकर्षण 'तीन पीढ़ियों का डांडिया—दादी, माँ और बेटी' होगा। इसमें अधिकतम संख्या में दादी/नानी-माँ-बेटी की तिकड़ियों को एक साथ निर्धारित डांडिया नृत्य में शामिल कर विश्व रिकॉर्ड बनाने का प्रयास किया जाएगा। यह पहल परिवार, परंपरा और नारी शक्ति का संदेश देते हुए तीन पीढ़ियों को एक सांस्कृतिक मंच पर जोड़ेगी। महोत्सव का उद्देश्य महिलाओं की सांस्कृतिक सहभागिता बढ़ाना और नई पीढ़ी को भारतीय लोक परंपराओं से जोड़ना है। पारंपरिक परिधानों में महिलाएँ गरबा एवं डांडिया के माध्यम से उत्सव का आनंद लेंगी। जयपुर जिला महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष ममता शर्मा एवं संगठन महामंत्री डॉ. कविता शास्त्री के नेतृत्व में आयोजन की तैयारियाँ की जा रही हैं। तीन पीढ़ियों वाली प्रतिभागी तिकड़ियों की सहभागिता के लिए विशेष समन्वय किया जाएगा। कार्यक्रम में प्रवेश केवल आमंत्रण के आधार पर होगा। आयोजन स्थल पर प्रवेश व्यवस्था, सुरक्षा, स्वच्छता एवं अनुशासन का विशेष ध्यान रखा जाएगा।

सेवा सेतु अभियान-2026

शुक्रवार को विद्याधर नगर एवं मुरलीपुरा जोन में आयोजित होगा सेवा सेतु अभियान षिविर

संचार जगत



जयपुर। नगर निगम जयपुर द्वारा राज्य सरकार के निर्देशानुसार 07 अक्टूबर से 16 अक्टूबर 2026 तक 'सेवा सेतु अभियान-2026' का आयोजन किया जा रहा है। जिसके तहत 16 अक्टूबर तक का षिविर कार्यक्रम जारी कर दिया है। बुधवार को सांगानेर जोन में एवं गुरूवार को मानसरोवर जोन में षिविर आयोजित किया गया। शुक्रवार को विद्याधर नगर एवं मुरलीपुरा जोन कार्यालय पर षिविर आयोजित किया जायेगा। 09 अक्टूबर 2026 को विद्याधर नगर एवं मुरलीपुरा जोन कार्यालय में आयोजित किया जायेगा। 12 अक्टूबर 2026 को जगतपुरा एवं झालाना जोन कार्यालय में आयोजित किया जायेगा। 13 अक्टूबर 2026 को झोटवाड़ा एवं वैषाली नगर जोन कार्यालय में आयोजित किया जायेगा। 16 अक्टूबर 2026 को आदर्ष नगर एवं सिविल लाईन जोन कार्यालय में आयोजित किया जायेगा। शिविर के माध्यम से नगर निगम जयपुर से संबंधित विभिन्न सेवाओं यथा सफाई, सीसी/डामर सड़क मरम्मत व पेच वर्क, स्ट्रीट लाईट, सार्वजनिक स्थलों का रख-रखाव व सौन्दर्यकरण, नालियों की मरम्मत, फेरोकवर व मैन हॉल्स की मरम्मत, सीवर लाईन लीकेज मरम्मत, आवारा पषु पकड़ने, जन्म-मृत्यु, विवाह पंजीयन, फायर एन.ओ.सी, ट्रेड लाईसेंस, साईनेज लाईसेंस, सीवर कनेक्षन, ओ.एफ.सी-मोबाईल टावर एन.ओ.सी, ई.डब्ल्यू.एस. प्रमाण पत्र, अनुमोदित योजनाओं के पट्टे, 69-ए, 54-ई, 50-बी, 60-सी के अन्तर्गत पट्टे, उपविभाजन-पुनर्गठन, भू-उपयोग परिवर्तन, नामान्तरण, लीज मुक्ति प्रमाण पत्र, भवन निर्माण स्वीकृति, लीज डीड से फ्री होल्ड पट्टे, यू.डी. टैक्स, विभिन्न राजकीय विभागों की फ्लैगषिप जनहित योजनाओं के तहत आवेदन प्राप्त एवं स्वीकृति जारी करना, विद्यालय, आंगनबाडी एवं अन्य सार्वजनिक भवनों की मरम्मत एवं सौन्दर्यकरण, अटल पेंषन योजना, वृद्धावस्था, विधवा एवं विकलांग पेंषन, मुख्यमंत्री निषुल्क बिजली योजना, पी.एम. स्वनिधि से समृद्धि कार्यक्रम, अभियान में पीएम सूर्या घर मुफ्त बिजली योजना के कार्य किये जायेगे। रश्मि जैमन जो कि मानसरोवर के स्थानीय निवासी हैं

उन्होंने मानसरोवर जोन में चल रहे सेवा सेतु अभियान में अपने भवन 1/184 की निर्माण स्वीकृति के लिए आवेदन किया श्रीमती रश्मि जैमन जी ने बताया कि सेवा सेतु अभियान के तहत बहुत ही कम समय में उन्हें भवन निर्माण स्वीकृति पत्र प्राप्त हो गया श्रीमती रश्मि जैमन जी ने बताया कि अपने इस कार्य के लिए उन्हें नगर निगम प्रशासन के सभी कर्मचारी और अधिकारियों का पूर्ण सहयोग प्राप्त हुआ अपने इस कार्य के बहुत ही कम समय में पूर्ण होने पर श्रीमती रश्मि जैमन जी ने राज्य सरकार और नगर निगम प्रशासन का धन्यवाद और आभार व्यक्त किया।

जिला कलक्टर की पहल पर रामबाग सर्किल, जेडीए चौराहा तथा ओटीएस चौराहा होगा भिक्षावृत्ति से मुक्त

संचार जगत

जयपुर। रामबाग सर्किल, जेडीए चौराहा तथा ओट्स चौराहा को भिक्षावृत्ति से मुक्त करने की पहल गुरुवार शाम से प्रारंभ कर दी गई है जो आगामी 30 अक्टूबर तक जारी रहेगी। जेडीए, नगर निगम, पुलिस, यातायात विभाग एवं भिक्षावृत्ति उन्मूलन के क्षेत्र में कार्य करने वाले गैर सरकारी संगठनों के सहयोग से यह पहल की गई है। जिला कलक्टर संदेश नायक ने गुरुवार को भिक्षावृत्ति पुनर्वास गृह योजना की जिला स्तरीय समिति की बैठक में यह जानकारी दी। जिला कलक्टर ने बैठक में कहा कि भिक्षावृत्ति एक सामाजिक अभिशाप है जिससे हमारा जयपुर भी अछूता नहीं है। विश्व पर्यटन पटल पर मशहूर पिंक सिटी को इससे निजात दिलाना अत्यंत आवश्यक है क्योंकि यहां देश-विदेश से लाखों की संख्या में पर्यटक आते हैं। जिससे हमारे प्रदेश की छवि भी धूमिल होती है। उन्होंने बताया कि इस पहल के तहत 9, 11, 13, 15, 17, 19, 21, 23, 25, 27 एवं 29 अक्टूबर को रामबाग सर्किल व जेडीए चौराहा तथा 10, 12, 14, 16, 18, 20, 22, 24, 26, 28 एवं 30 अक्टूबर को ओटीएस चौराहा पर रेस्क्यू अभियान आयोजित किया जाएगा। बैठक के दौरान युगांतर शर्मा एडीएम साउथ, बुद्धिप्रकाश चंदेल संयुक्त निदेशक सामाजिक न्याय और अधिकारिता विभाग, यातायात से कमल कुमार मीणा (आरपीएस), नगर निगम से ओम थानवी (आरएएस) सहित संबंधित विभागों के अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

पंचायती राज चुनाव के प्रथम चरण में नाम निर्देशन प्रक्रिया शुरू, पहले दिन 2 नामांकन प्राप्त

संचार जगत

जयपुर। जिला निर्वाचन अधिकारी संदेश नायक ने बताया कि पंचायती राज आम चुनाव के प्रथम चरण के तहत जिला परिषद एवं पंचायत समिति सदस्यों के नाम निर्देशन की प्रक्रिया के पहले दिन प्राप्त नाम निर्देशन पत्रों की स्थिति के अनुसार जिला परिषद के वार्ड संख्या 38 से 50 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के 2 नाम निर्देशन पत्र प्राप्त हुए हैं। शेष जिला परिषद वार्डों में गुरुवार तक कोई नाम निर्देशन प्राप्त नहीं हुआ। उन्होंने बताया कि पंचायत समिति सदस्यों के लिए गोविन्दगढ़, चौमूं, किशनगढ़-रेनवाल, जॉबनेर, झोटवाड़ा, सांभर, दूदू एवं मौजमाबाद पंचायत समितियों के कुल 146 वार्डों के लिए कोई नाम निर्देशन प्राप्त नहीं हुआ।

किन्नर समाज ने तर्पण कर दिवंगत मंगलमुखी किन्नरों की आत्मशांति की प्रार्थना की

कर्मयोगी सेवा संस्थान के 27वें श्राद्ध तर्पण कार्यक्रम में तेरस का श्राद्ध किन्नर समाज को समर्पित

संचार जगत



कोटा। कर्मयोगी सेवा संस्थान द्वारा रोटेदा रोड स्थित गुरु धाम कॉलोनी में आयोजित 27वें वार्षिक 16 दिवसीय श्राद्ध तर्पण कार्यक्रम के तहत तेरस का श्राद्ध देश के दिवंगत मंगलमुखी किन्नरों की आत्मशांति हेतु समर्पित किया गया। इस अवसर पर किन्नर समाज के प्रतिनिधियों ने पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ तर्पण कर पुण्य लाभ अर्जित किया। संस्थान के संस्थापक राजाराम जैन 'कर्मयोगी' एवं अध्यक्ष अनिल कुमार शर्मा ने बताया कि इस विशेष आयोजन में नैना देवी मंगलमुखी किन्नर समूह की जिया, सोबी, काजल और नानू सहित अन्य सदस्यों को आमंत्रित किया गया था। आमंत्रित किन्नर समाज की सदस्यों ने पूरे विधि-विधान से दिवंगत मंगलमुखी आत्माओं की शांति और मोक्ष के लिए मंत्रोच्चार के बीच श्राद्ध तर्पण किया। कार्यक्रम के दौरान कर्मयोगी सेवा संस्थान के पदाधिकारियों एवं अतिथियों द्वारा समाज में सेवा और मंगल कामना का प्रतीक माने जाने वाले किन्नर समाज का अभिनंदन किया गया। संस्थापक राजाराम जैन कर्मयोगी, अध्यक्ष अनिल कुमार शर्मा, नीलम शर्मा, हेमंत सिंह, कुसुम सिंह, धर्मपाल सिंह, नीलम सिंह, कमल सिंह सोलंकी एवं नंद कंवर हाड़ा ने किन्नरों को साफा बांधकर, दुपट्टा उड़ाकर एवं माल्यार्पण कर सम्मानित किया। सम्मान के पश्चात आमंत्रित किन्नर समाज द्वारा संस्था के प्रांगण में गरीबों, असहायों एवं ब्राह्मणों को श्रद्धापूर्वक खीर, पूरी और सब्जी का भोजन कराया गया तथा उनका आशीर्वाद प्राप्त किया।

चतुर्दशी और अमावस्या पर विशेष तर्पण एवं दीपदान का होगा आयोजन संस्थान के संस्थापक राजाराम जैन कर्मयोगी ने आगामी कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि चतुर्दशी तिथि का श्राद्ध मानवीय भूलों, प्राकृतिक आपदाओं व त्रासदियों का शिकार हुई दिवंगत आत्माओं के साथ-साथ विशेष रूप से कोरोना महामारी के दौरान जान गंवाने वाले लोगों की आत्मशांति हेतु समर्पित रहेगा। वहीं, 10 अक्टूबर को सर्वपितृ अमावस्या के अवसर पर भूली-बिसरी आत्माओं की शांति के लिए तर्पण किया जाएगा। इसके साथ ही, आर्थिक अभाव के कारण जो परिवार अपने दिवंगत परिजनों का श्राद्ध-तर्पण नहीं कर पाते हैं, उन सभी की आत्माओं की शांति के लिए विशेष प्रार्थना की जाएगी। 10 अक्टूबर को ही शाम 5 बजे से 7 बजे तक विशाल आम भंडारे (महाप्रसादी) का आयोजन किया जाएगा। तत्पश्चात, सायं 7 बजे 'ओम शांति' महामंत्र के दिव्य जाप के साथ भव्य दीपदान कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इसी के साथ कर्मयोगी सेवा संस्थान के इस 16 दिवसीय वार्षिक श्राद्ध श्रद्धांजलि तर्पण आयोजन का गरिमामय समापन होगा।

स्वामित्व, प्रकाशक एवं संपादक : अवंतिका राठौड़ - पी.के. प्रिंटर्स एंड स्टेशनर्स, 31, राम मंदिर के पास, पटेल नगर, 22 गोदाम, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। कार्यालय : जे-17, रमेश मार्ग, सी-स्कीम, जयपुर।
संपर्क : 0141 463 7668 । ई-मेल : editorial@sancharjagat.com । आरएनआई नं. : RAJHIN/2014/55262। समाचार चयन के लिए पीआरबी अधिनियम के तहत जिम्मेदार। न्यायाधिकार क्षेत्र : जयपुर महानगर।